

पाठ-सूची

1. पशु-पक्षियों के चित्र (मौखिक).....	1 - 3
2. कृत्स्नशब्द (मौखिक).....	4 - 7
3. वह— है (मौखिक).....	8 - 13
4. वह— है/वह— है (मौखिक).....	14 - 19
5. वह— हैं/वे— हैं (मौखिक).....	20 - 26
6. वह— है/वे— हैं (मौखिक).....	27 - 32
7. वह/वे+क्रिया/वह/वे+कर्म+क्रिया (मौखिक).....	33 - 38
8. मैं— है/हम— हैं (मौखिक).....	39 - 43
9. मैं/हम+क्रिया/मैं/हम+कर्म+क्रिया (मौखिक).....	44 - 48
10. तू, तूम, आप (मौखिक).....	49 - 53
11. तू/तूम/आप+क्रिया/तू/तूम/आप+कर्म+क्रिया (मौखिक).....	54 - 60
12. क्या (मौखिक).....	61 - 69
13. कौन (मौखिक).....	70 - 75
14. आज्ञार्थक वाक्य (मौखिक).....	76 - 80
15. एक से बीस तक की गिनती (मौखिक).....	81 - 86
16. स्वर-वर्ण.....	87 - 90
17. व्यंजन-वर्ण.....	91 - 96
18. मात्राओं की पहचान (कथन शैली).....	97 - 101
19. धा/धे/धी/धी (कथन शैली).....	102 - 105
20. ऊँगा/एगा/ओगे/ऐगे (कथन शैली).....	106 - 109
21. आप्रह वाचक वाक्य (कथन शैली).....	110 - 112
22. राष्ट्रीय झण्डा (कथन शैली).....	113 - 117
23. मणिपुर (कथन शैली).....	118 - 122
24. एक से सौ तक (गिनतियों).....	123 - 128

पाठ - एक
पशु-पक्षियों के चित्र
(मौखिक)

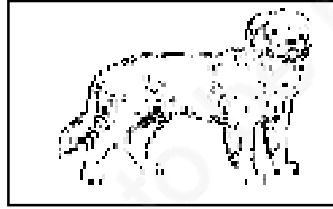
शब्द —

बिल्ली, कुत्ता, गाय, भैंस, घोड़ा, बकरी, मुर्गा, बतख,
हंस, कबूतर, तोता, मैना, सूअर, खरगोश, बाघ, कौवा,
बगुला, मोर।

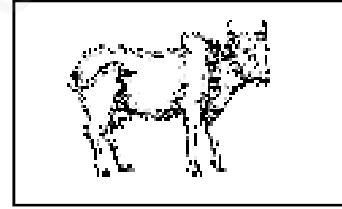
घरेलू पशुओं के चित्र



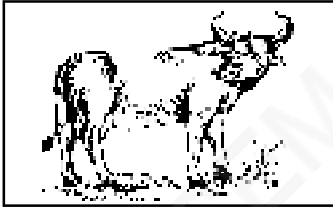
बिल्ली



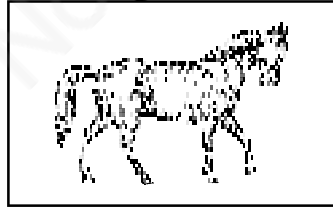
कुत्ता



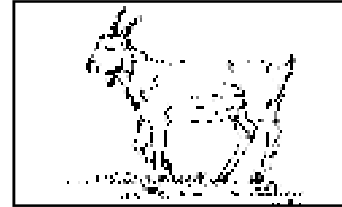
गाय



भैंस



घोड़ा

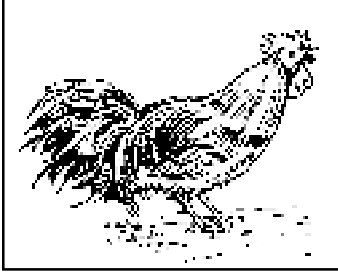


बकरी

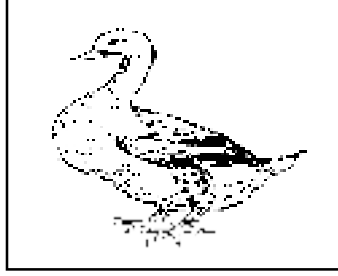
अभ्यापन-संकेत —

इस पृष्ठ पर कुछ घरेलू पशुओं के चित्र दिए गए हैं। छात्रों से प्रत्येक चित्र के नीचे अंगुली रखवाई जाएगी और अध्यापक स्वयं बोलेगा — 'बिल्ली'। छात्रों से भी बुलवाया जाएगा। इसी प्रकार प्रत्येक चित्र के नीचे अंगुली रखवाकर बुलवाया जाएगा। छात्रों से बार-बार अभ्यास कराया जाएगा। अभ्यास कभी व्यक्तिगत, कभी सामूहिक रूप से कराया जाएगा। यह अभ्यास तब तक कराया जाएगा, जब तक सभी छात्र प्रत्येक पशु के नाम से परिचित न हो जाएँ।

घरेलू पक्षियों के चित्र



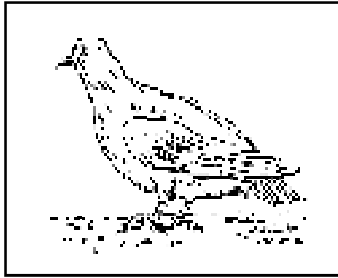
मुर्गा



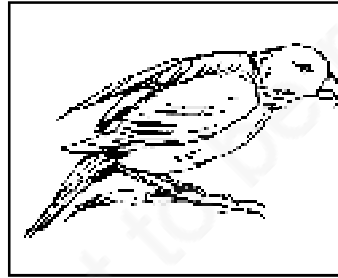
बतख



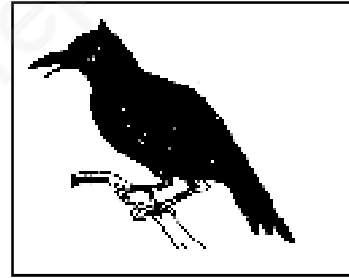
हंस



कबूतर



तोता

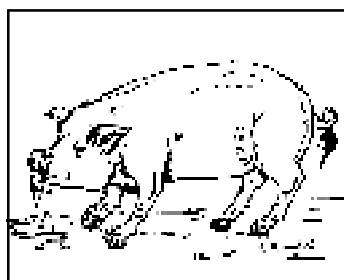


मैना

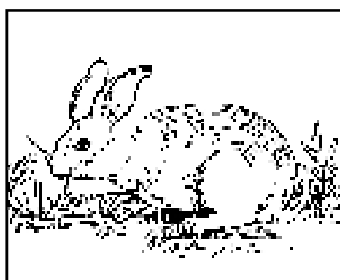
अभ्यापन-संकेत —

इस पृष्ठ पर कुछ घरेलू पक्षियों के चित्र दिए गए हैं। छात्रों से प्रत्येक चित्र के नीचे अंगुली रखवाकर अध्यापक स्वयं बोलेंगे — 'मुर्गा'। छात्रों से भी बुलवाया जाएगा। इसी प्रकार प्रत्येक चित्र के नीचे अंगुली रखवाकर बुलवाया जाएगा। छात्रों से बार-बार बुलवाकर अभ्यास कराया जाएगा। अभ्यास कभी व्यक्तिगत, कभी सामूहिक रूप से कराया जाएगा। यह अभ्यास तब तक कराया जाएगा, जब तक सभी छात्र प्रत्येक पक्षी के नाम से परिचित न हो जाएँ।

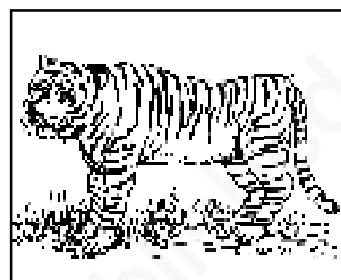
अन्य पशु-पक्षियों के चित्र



सूअर



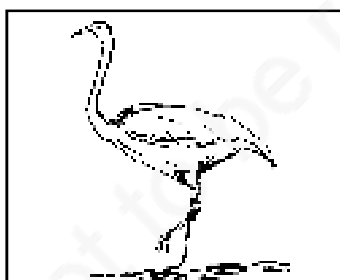
खरगोश



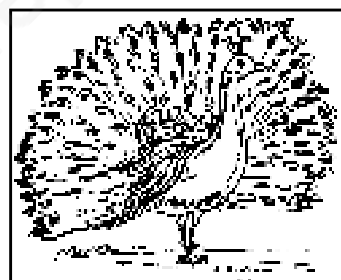
बाघ



कौवा



बगुला



मोर

अभ्यापन-संकेत :-

इस पृष्ठ पर कुछ पशु-पक्षियों के चित्र दिए गए हैं। अध्यापक छात्रों से प्रत्येक चित्र के नीचे अंगुली रखवाकर चित्र में अंकित पशु या पक्षी का नाम बुलवाएगा। प्रत्येक छात्र से बार-बार अभ्यास करवाया जाएगा। यह अभ्यास तब तक करवाया जाएगा, जब तक सभी छात्र प्रत्येक पशु/पक्षी के नाम से परिचित न हो जाएँ।

डलठ - दो
कुछ शडुद
(डुडुखलक)

कल	कल	कुल
नकल	अकल	सकल
तक	हक	थक
चल	चल	चील
डकत	डकलन	डकलस
सक	डंक	कूक
नल	नलड	नीड
अनल	अनलल	सलललल
तन	डन	थन
डल	डलन	डीक
कडल	तडन	ऊडर
डलड	तलड	छलड

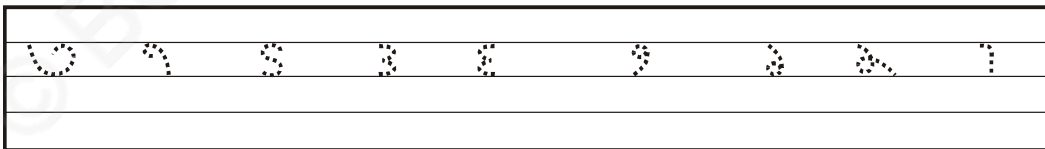
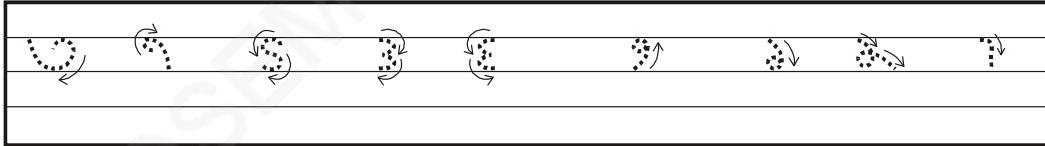
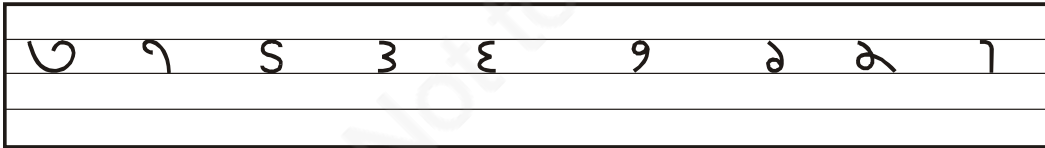
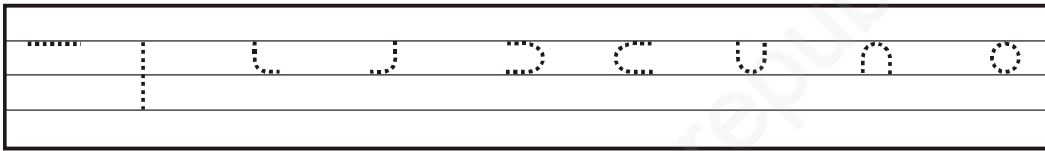
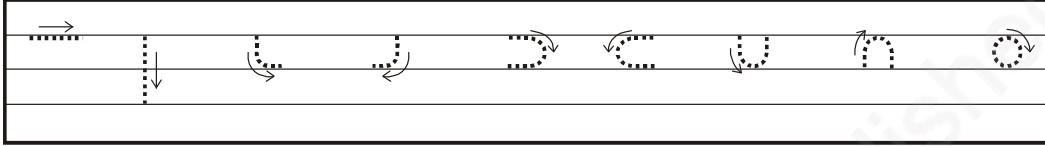
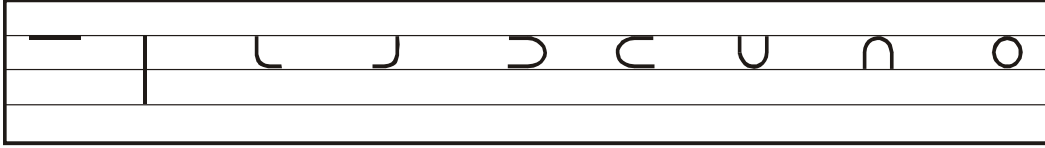
बल	बस	बम
खबर	खड़	कबर
जब	तब	कब
लात	लाख	लाभ
कलम	चलन	सलाम
जल	हल	मल

अध्यापन-संकेत :- इस पाठ में बिना चित्र के कुछ शब्द दिए गए हैं। अध्यापक इन शब्दों को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़कर छात्रों को सुनाएगा और उनसे साथ-साथ बोलने के लिए कहेगा। इस पाठ का उद्देश्य छात्रों को हिन्दी का शुद्ध उच्चारण सुनने और बोलने की आदत डालना तथा उनमें हिन्दी के प्रति सचि उत्पन्न करना है। इन शब्दों का उच्चारण-अभ्यास बार-बार कराया जाएगा।

इस पाठ के साथ नागरी लिपि-लेखन में प्रयुक्त निम्नांकित चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा —

— | L J 7 C P U O
 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11

हिन्दी मुल्लमाला - III



— | ल ङ ङ च उ ण ०

— | ल ङ ङ च उ ण ०

—
—
—

७ १ ५ ३ ६ १ ४ २ १

७ १ ५ ३ ६ १ ४ २ १

—
—
—

पाठ - तीन
यह - है
(मौखिक)

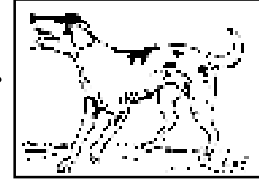
नए शब्द —

यह, है, आम, घर, हाथ, कान, नाक, कलम, पुस्तक,
मछली, हाथी।

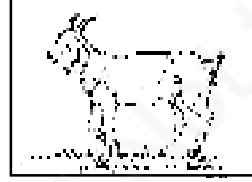
यह बिल्ली है।



यह कुत्ता है।



यह बकरी है।



यह मुर्गा है।



यह कबूतर है।



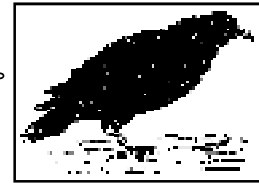
यह तोता है।



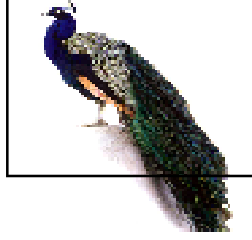
यह बाघ है।



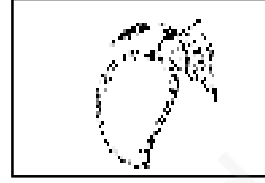
यह कौवा है।



यह मोर है।



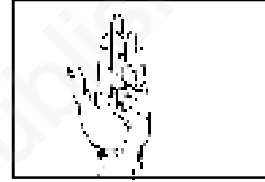
यह आम है।



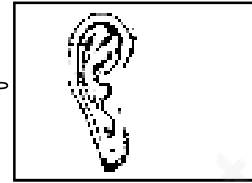
यह घर है।



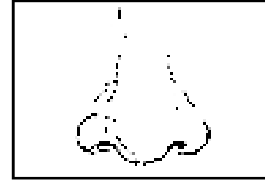
यह हाथ है।



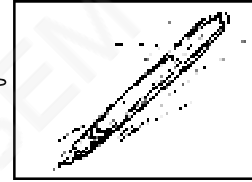
यह कान है।



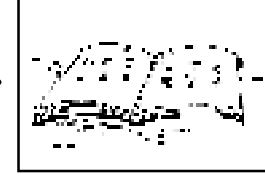
यह नाक है।



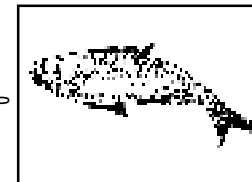
यह कलम है।



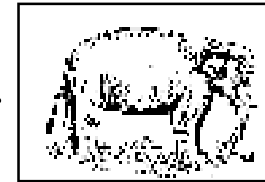
यह पुस्तक है।



यह मछली है।

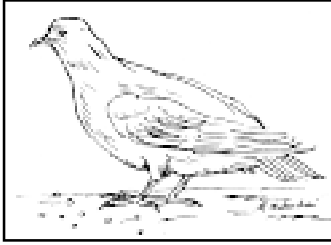


यह हाथी है।

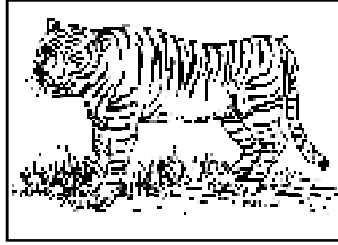


प्रश्न-अभ्यास

1. बोलो :-



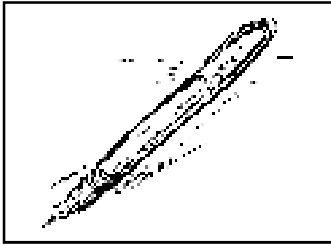
कबूतर



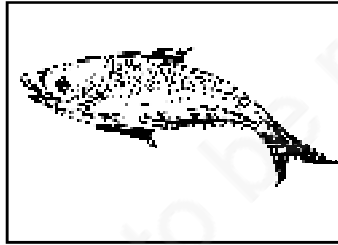
बाघ



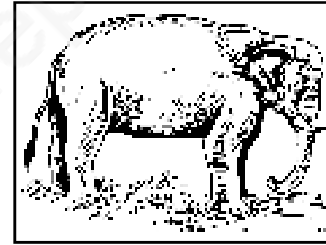
आम



कलम



मछली



हाथी

2. वाक्य में बोलो :—

प्रश्न-अभ्यास के चित्रों को देख कर

3. सुनो और वाक्य पूरे करो —

- (क) यह है।
- (ख) यह है।
- (ग) पुस्तक है।
- (घ) है।
- (ङ) यह मोर ।
- (च) यह ।
- (छ) घर ।

अध्यापन-संकेत :-

पहले दिन पाठ में दिए गए चित्रों के माध्यम से छात्रों को बार-बार अभ्यास कराया जाएगा। दूसरे दिन प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के माध्यम से इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा, जैसे —

अभ्यास 1 — अध्यापक एक-एक चित्र को दिखाएगा और छात्रों से शब्दों में बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 2 — अध्यापक फिर एक-एक चित्र को दिखाएगा और छात्रों से वाक्यों में बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 3 — अध्यापक एक-एक अधूरा वाक्य बोलेंगा और बाद में छात्रों से उन वाक्यों को पूरा करने के लिए कहेगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा —

र स य थ

हिन्दी मुद्रामाला - III

र र र र र स स स र य य १ २ थ थ

र र र र र स स स र य य १ २ थ थ

र र र र र स स स र य य १ २ थ थ

र स य थ र स य थ र स य थ

र स य थ र स य थ र स य थ

रस रथ सरस साथ सास

रस रथ सरस साथ सास

यार सार यस राय यथा

यार सार यस राय यथा

पाठ - चार

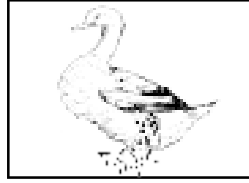
यह—है / वह—है

(मौखिक)

नए शब्द —

फल, फूल, बैल, होलक, छतरी, भालू, ऐनक, घड़ा,
जूता, दरवाजा, खिड़की, वह।

यह बतख है।



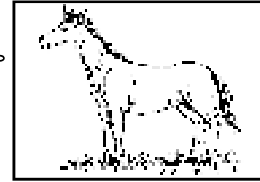
यह हंस है।



यह बाघ है।



यह घोड़ा है।



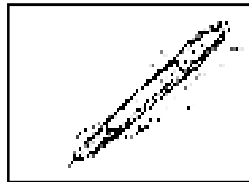
यह फल है।



यह फूल है।



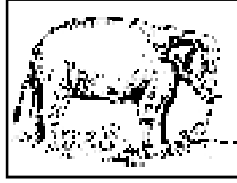
वह कलम है।



वह घर है।



वह हाथी है।



वह बैल है।



वह बोलक है।



वह आम है।



वह छतरी है।



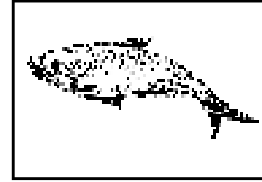
वह भालू है।



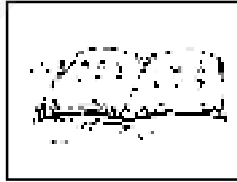
यह मछली है।



वह मछली है।



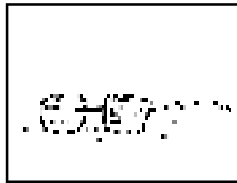
यह पुस्तक है।



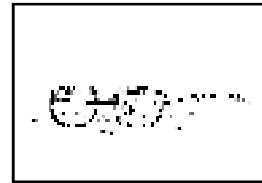
वह पुस्तक है।



यह ऐनक है।



वह ऐनक है।



हिन्दी पुष्पमाला-III

यह घड़ा है।



वह घड़ा है।



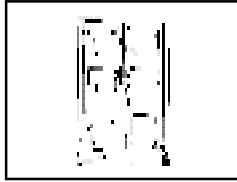
यह जूता है।



वह जूता है।



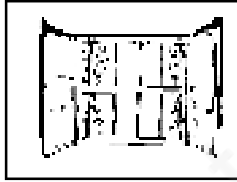
यह दरवाजा है।



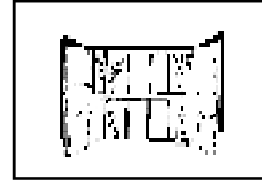
वह दरवाजा है।



यह खिड़की है।



वह खिड़की है।



प्रश्न-अभ्यास

1. सुनो और बोलो —

बैल, गाय, मोर, मैना, होलक, घड़ा, ऐनक, कलम।

2. 'यह' और 'है' के साथ वाक्य में बोलो —

मछली, भालू, खिड़की, जूता, पुस्तक

3. 'वह' और 'है' के साथ वाक्य में बोलो —

हंस, बाघ, घोड़ा, दरवाजा, फूल।

4. वाक्यों में बोलो —

(एक-एक वस्तु या चित्र को निकट दिखाकर)

पुस्तक, कलम, फूल, फल, ऐनक।

5. वाक्यों में बोलो —

(एक-एक वस्तु या चित्र को कुछ दूर दिखा कर)
पुस्तक, कलम, फूल, फल, ऐनक।

अध्यापन-संकेत :-

पहले दिन पाठ में दिए गए चित्रों के माध्यम से बार-बार अभ्यास कराया जाएगा। दूसरे दिन प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के आधार पर इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा —

अभ्यास 1 — दिए गए शब्दों को अध्यापक शुद्ध उच्चारण के साथ बोलेंगे और छात्रों से भी बोलने के लिए कहेंगे। अध्यापक तत्काल छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियाँ सुधारेंगे।

अभ्यास 2 — अध्यापक एक-एक शब्द को बोलेंगे और छात्रों से 'यह' और 'है' के साथ बोलने के लिए कहेंगे।

अभ्यास 3 — अध्यापक एक-एक शब्द को बोलेंगे और छात्रों से 'वह' और 'है' के साथ बोलने के लिए कहेंगे।

अभ्यास 4 — अध्यापक एक-एक वस्तु या चित्र छात्रों के निकट ले जाएगा और वाक्यों में बोलने के लिए कहेंगे।

अभ्यास 5 — अध्यापक वही वस्तु या चित्र दूर दिखा कर फिर वाक्यों में बोलने के लिए कहेंगे।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा —

श ए ऐ

हिन्दी मालामाला - III

० १ श श । ए ए । ए ए ऐ

० १ श श । ए ए ऐ । ए ए ऐ

० १ श श । ए ए । ए ए ऐ

श ए ऐ श ए ऐ श ए ऐ

श ए ऐ श ए ऐ श ए ऐ

एयए यश शार ऐश ऐसा

एयए यश शार ऐश ऐसा

यश शार ऐश एयए ऐसा

यश शार ऐश एयए ऐसा

पाठ - पाँच
यह—है / ये—हैं
(मौखिक)

नए शब्द —

ये, लड़का, और, घड़ी, चिड़िया, लड़की, महिला,
माला, बालिका, हैं।

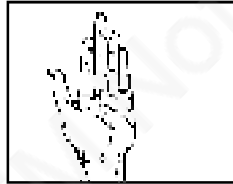
यह घर है।



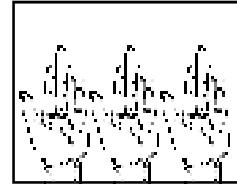
ये घर हैं।



यह हाथ है।



ये हाथ हैं।



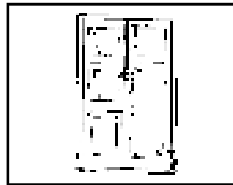
यह फल है।



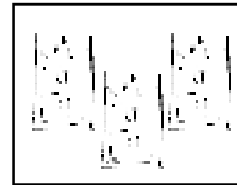
ये फल हैं।



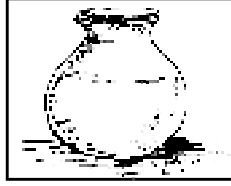
यह दरवाजा है।



ये दरवाजे हैं।



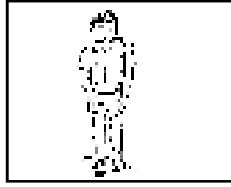
यह घड़ा है।



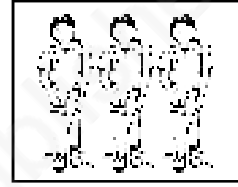
ये घड़े हैं।



यह लड़का है।



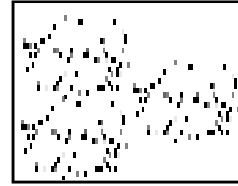
ये लड़के हैं।



यह गाय है।



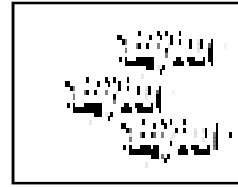
ये गायें हैं।



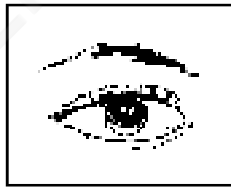
यह पुस्तक है।



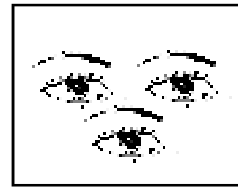
ये पुस्तकें हैं।



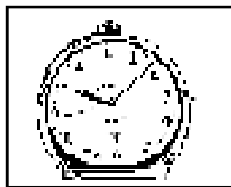
यह आँख है।



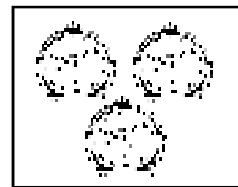
ये आँखें हैं।



यह घड़ी है।

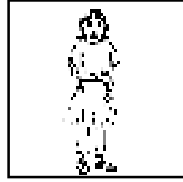


ये घड़ियाँ हैं।

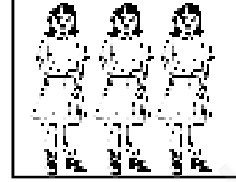


हिन्दी पुष्पमाला-III

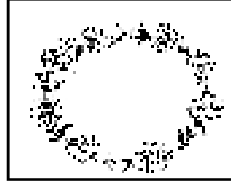
यह लड़की है।



ये लड़कियाँ हैं।



यह माला है।



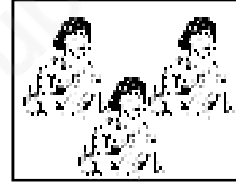
ये मालाएँ हैं।



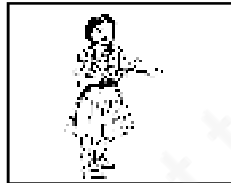
यह महिला है।



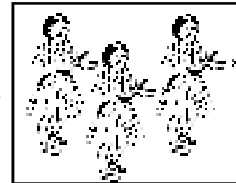
ये महिलाएँ हैं।



यह बालिका है।



ये बालिकाएँ हैं।

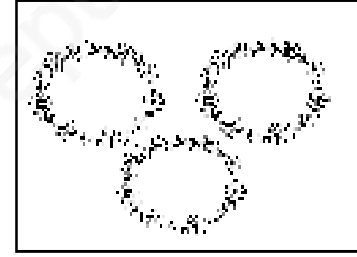
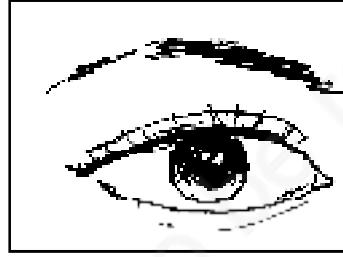
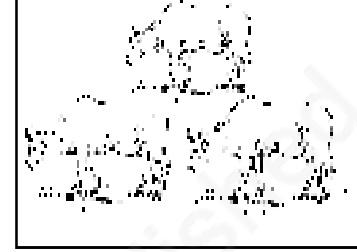
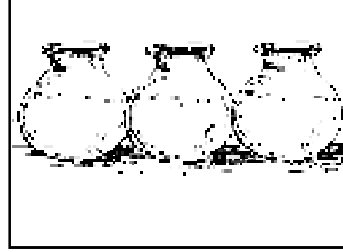
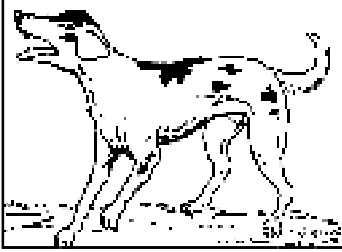


प्रश्न-अभ्यास

1. सुनो, बोलो और समझो :-

यह	—	ये
बड़ा	—	बड़े
लड़का	—	लड़के
गाय	—	गायें
पुस्तक	—	पुस्तकें
घड़ी	—	घड़ियाँ
चिड़िया	—	चिड़ियाँ
माला	—	मालाएँ
महिला	—	महिलाएँ

2. देखो और वाक्य में बोलो :—



3. सुनो और वाक्य पूरे करो :—

- (क) यह है।
 (ख) ये हैं।
 (ग) पुस्तकें।
 (घ) फल हैं।
 (ङ) ये हाथ
 (च) कौवा

4. सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—

इस : ईश, इमाम : ईमान, कि : की, चिर : चीर
 तिस : तीस, दिन : दीन, मिला : मील, आदि : आदी।

अध्यापन-संकेत —

पहले दिन पाठ में दिए गए चित्रों के माध्यम से बार-बार अभ्यास कराया जाएगा। दूसरे दिन प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के माध्यम से इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा, जैसे —

अभ्यास 1 — अध्यापक स्वयं बोलेंगे और छात्रों से बोलने के लिए कहकर अभ्यास कराएगा।

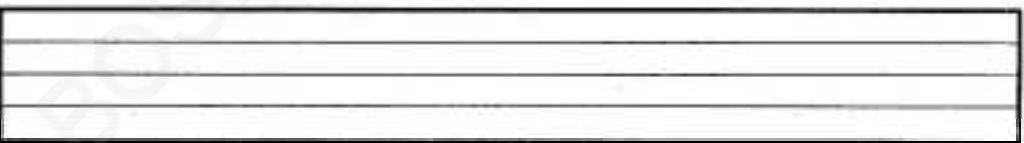
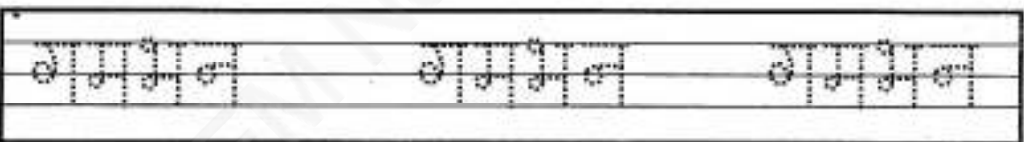
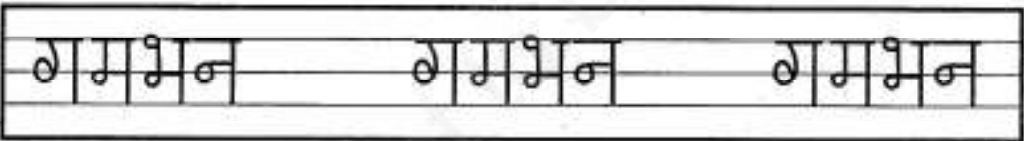
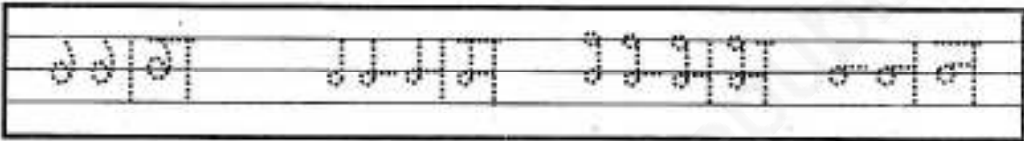
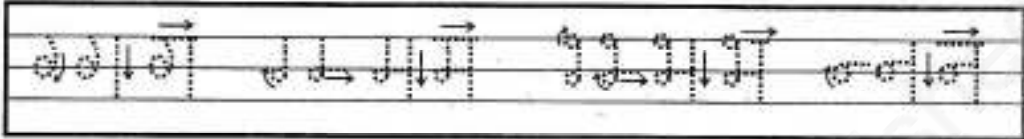
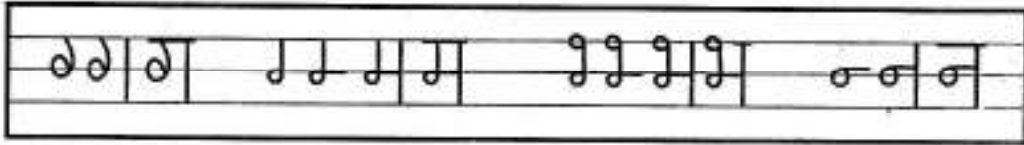
अभ्यास 2 — छात्रों से चित्रों को देख कर वाक्यों में बोलने के लिए कहा जाएगा।

अभ्यास 3 — अध्यापक प्रत्येक अधूरे वाक्य को बोलेंगे और छात्रों से पूरा करने के लिए कहेंगे।

अभ्यास 4 — अध्यापक शब्द-युग्मों को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ेंगे और छात्रों से पढ़ने के लिए कहेंगे। छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियों का सुधार तत्काल किया जाएगा और छात्रों से दुबारा कहलवा दिया जाएगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा —

ग म भ न



हिन्दी मुल्लमाला-III

गाय गरम नाम मगन भय

गाय गरम नाम मगन भय

नया गाना भाग भामा मामा

नया गाना भाग भामा मामा

पाठ - छह
वह—है/वे—हैं
(मौखिक)

नए शब्द —
वे, चरखा, किताब, और।

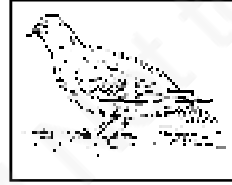
वह ढोलक है।



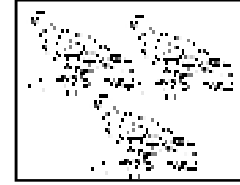
वे ढोलक हैं।



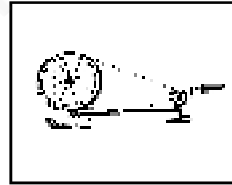
वह कबूतर है।



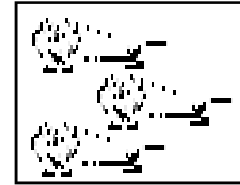
वे कबूतर हैं।



वह चरखा है।



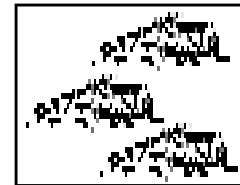
वे चरखे हैं।



वह जूता है।



वे जूते हैं।

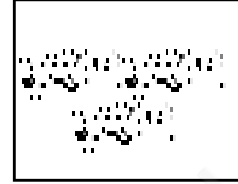


हिन्दी मुल्लमलल-III

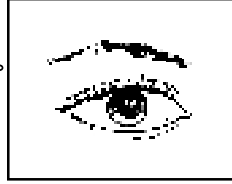
वह कलतलब है।



वे कलतलबे हैं।



वह आँख है।



वे आँखे हैं।



वह छतरी है।



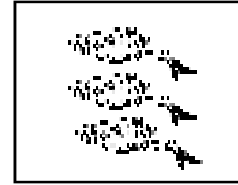
वे छतरलरलएँ हैं।



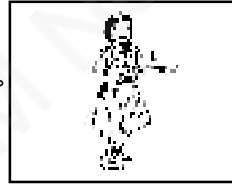
वह मछली है।



वे मछललरलएँ हैं।



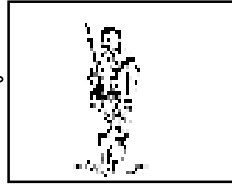
वह बललकल है।



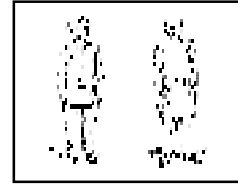
वे बललकलएँ हैं।



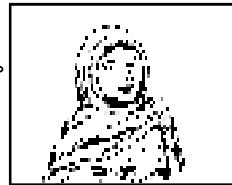
वह डुडलडु है।



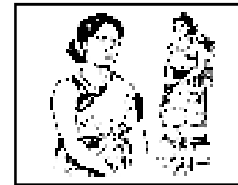
वे तुडुडल और
सलललडु हैं।



वह नूरुखुलँ है।



वे कलओडुडु और
शरुडुडुलल हैं।

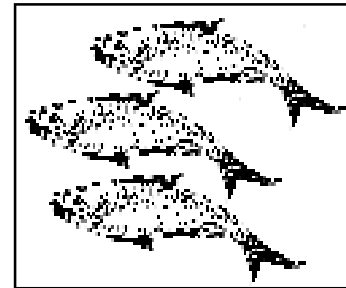
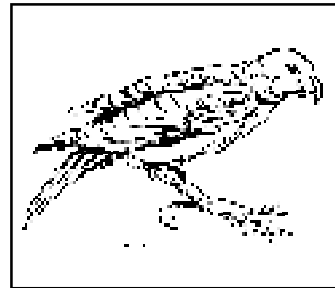
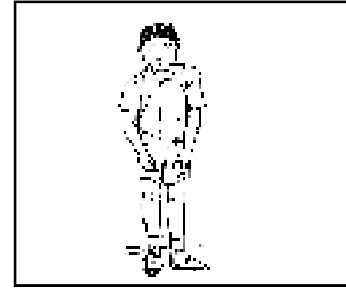
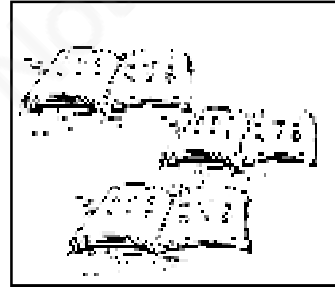
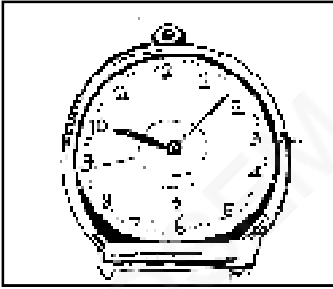


प्रश्न-अभ्यास

1. सुनो, बोलो और समझो :—

वह	—	वे
जूता	—	जूते
तोता	—	तोते
किताब	—	किताबें
कलम	—	कलमें
बकरी	—	बकरियाँ
मछली	—	मछलियाँ
बालिका	—	बालिकाएँ

2. देखो और 'वह/वे' तथा 'है/हैं' के साथ बोलो :—



हिन्दी पुष्पमाला-III

3. सुनो और वाक्य पूरे करो :—

- (क) वह _____ हैं।
(ख) वे _____ हैं।
(ग) _____ हैं।
(घ) वे _____ ।
(ङ) _____ महिलाएँ _____ ।

4. सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—

ऊन : ऊन, कुल : कूल, चुल : चूल
पुर : पूर, सुर : सूर, बहुत : कपूत

अध्यापन-संकेत —

पहले दिन पाठ में दिए गए चित्रों के माध्यम से बार-बार अभ्यास कराया जाएगा। दूसरे दिन प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के माध्यम से इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा, जैसे —

अभ्यास 1 — अध्यापक स्वयं बोलेंगे और छात्रों से बोलने के लिए कहकर अभ्यास कराएगा।

अभ्यास 2 — चित्रों को देखकर वाक्यों में बोलने के लिए छात्रों से कहा जाएगा।

अभ्यास 3 — अध्यापक प्रत्येक अधूरे वाक्य को बोलेंगे और छात्रों से पूरा करने के लिए कहेंगे।

अभ्यास 4 — अध्यापक शब्द-सुग्मों को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ेंगे और छात्रों से पढ़ने के लिए कहेंगे। छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियों का सुधार तत्काल किया जाएगा और छात्रों में दुबारा कहलवा दिया जाएगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा—

प फ ष ण

୧୧୧ ୧୧୧ ୧୧୧ ୧୧୧

୧୧୧ ୧୧୧ ୧୧୧ ୧୧୧

୧୧୧ ୧୧୧ ୧୧୧ ୧୧୧

୧୧୧ ୧୧୧ ୧୧୧ ୧୧୧

୧୧୧ ୧୧୧ ୧୧୧ ୧୧୧

हिन्दी मुल्लमाला-III

पार गाफ पाषाण साफ पर

पार गाफ पाषाण साफ पर

नाप फन पाषाण रण गाफ

नाप फन पाषाण रण गाफ

पाठ - सात

वह/वे+क्रिया / वह/वे+कर्म+क्रिया (मौखिक)

नए शब्द —

जाना, आना, बैठना, उठना, रोना, करना, पीना, खाना,
सुनना, पढ़ना, काम, पानी, गाना।

वह जाता है।

वह आता है।

वह बैठता है।

वह उठता है।

वह रोता है।

वे जाते हैं।

वे आते हैं।

वे बैठते हैं।

वे उठते हैं।

वे रोते हैं।

वह जाती है।

वह आती है।

वह बैठती है।

वह उठती है।

वह रोती है।

वे जाती हैं।

वे आती हैं।

वे बैठती हैं।

वे उठती हैं।

वे रोती हैं।

वह करता है।

वह पीता है।

वह खाता है।

वह सुनता है।

वह पढ़ता है।

वे करते हैं।

वे पीते हैं।

वे खाते हैं।

वे सुनते हैं।

वे पढ़ते हैं।

हिन्दी पुष्पमाला-III

वह करती है।
वह पीती है।
वह खाती है।
वह सुनती है।
वह पढ़ती है।

वे करती हैं।
वे पीती हैं।
वे खाती हैं।
वे सुनती हैं।
वे पढ़ती हैं।

वह काम करता है।
वह काम करती है।
वह पानी पीता है।
वह पानी पीती है।
वह फल खाता है।
वह फल खाती है।
वह गाना सुनता है।
वह गाना सुनती है।
वह पुस्तक पढ़ता है।
वह पुस्तक पढ़ती है।

वे काम करते हैं।
वे काम करती हैं।
वे पानी पीते हैं।
वे पानी पीती हैं।
वे फल खाते हैं।
वे फल खाती हैं।
वे गाना सुनते हैं।
वे गाना सुनती हैं।
वे पुस्तक पढ़ते हैं।
वे पुस्तक पढ़ती हैं।

प्रश्न-अभ्यास

1. सुनो, बोलो और समझो :—

जाता है — जाते हैं
उठता है — उठते हैं
रोता है — रोते हैं
करता है — करते हैं
खाता है — खाते हैं

जाती है — जाती हैं
उठती है — उठती हैं
रोती है — रोती हैं
करती है — करती हैं
खाती है — खाती हैं

पढ़ता है — पढ़ते हैं
सुनता है — सुनते हैं

पढ़ती है — पढ़ती हैं
सुनती है — सुनती हैं

2. सुनो और वाक्य पूरे करो :—

- (क) वह आता
(ख)जाती है।
(ग) वे रोते
(घ)उठती हैं।
(ङ) वह गाना सुनता
(च)काम करते
(छ) वे आम।
(ज)पुस्तकहैं।
(झ)पानी पीती

3. सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—

के : कै, में : मैं, देख : दैख, मेल : मैल
बेर : बैर, सेर : सैर, मेला : मैला

अध्यापन-संकेत —

पाठ में दी गई सामग्री का इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा, जैसे — पहले अध्यापक पुल्लिंग अकर्मक क्रिया युक्त वाक्यों को बोलेगा और छात्रों को उन वाक्यों का अभ्यास कराएगा। बाद में स्त्रीलिंग अकर्मक क्रिया युक्त वाक्यों को बोलेगा और छात्रों को उन वाक्यों का अभ्यास कराएगा। इस प्रकार पुल्लिंग सकर्मक क्रिया युक्त वाक्यों, स्त्रीलिंग सकर्मक क्रिया युक्त वाक्यों एवं कर्मसुक्त वाक्यों का अभ्यास क्रम से कराया जाएगा। उसके बाद प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के माध्यम से इस प्रकार अभ्यास कराया

हिन्दी पुष्पमाला-III

जाएगा, जैसे —

अभ्यास 1 — अध्यापक स्वयं बोलेंगे और छात्रों से बोलने के लिए कहकर अभ्यास कराएगा।

अभ्यास 2 — अध्यापक प्रत्येक अधूरे वाक्य को बोलेंगे और छात्रों से उन्हें पूरा करने के लिए कहेंगे।

अभ्यास 3 — अध्यापक शब्द-सुम्नों को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ेंगे और छात्रों से उनका शुद्ध उच्चारण करने के लिए कहेंगे। छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियों का तत्काल सुधार किया जाएगा और छात्रों से द्वारा कहलया दिया जाएगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिहनों को लिखना सिखाया जाएगा —

व क ब ख

८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८

८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८

८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८

८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८

८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८ ८८८

Blank handwriting practice lines.

हिन्दी मुल्लमाला-III

कव वर राख नाव ख्वाब

कव वर राख नाव ख्वाब

कमरा खाना बार वार कव

कमरा खाना बार वार कव

पाठ - आठ
मैं - हूँ/हम - हैं
(मौखिक)

नए शब्द —

मैं, हम, हैं, पुत्र, पुत्री, लड़का, बच्चा, बच्ची, छात्र, छात्रा,
पिता, माँ, बीमार, डाक्टर, अध्यापक, अध्यापिका

मैं पुत्र हूँ।	हम पुत्र हैं।
मैं पुत्री हूँ।	हम पुत्रियाँ हैं।
मैं लड़का हूँ।	हम लड़के हैं।
मैं लड़की हूँ।	हम लड़कियाँ हैं।
मैं बच्चा हूँ।	हम बच्चे हैं।
मैं बच्ची हूँ।	हम बच्चियाँ हैं।
मैं छात्र हूँ।	हम छात्र हैं।
मैं छात्रा हूँ।	हम छात्राएँ हैं।
मैं पिता हूँ।	हम पिता हैं।
मैं माँ हूँ।	हम माँ हैं।
मैं बीमार हूँ।	हम बीमार हैं।
मैं डाक्टर हूँ।	हम डाक्टर हैं।
मैं अध्यापक हूँ।	हम अध्यापक हैं।
मैं अध्यापिका हूँ।	हम अध्यापिकाएँ हैं।
मैं अमुबा हूँ।	हम थाइखनलाल और डेविद हैं।
मैं सलमा हूँ।	हम तमुबी और नैकिम हैं।

प्रश्न-अभ्यास

1. सुनो, बोलो और समझो :—

मैं — हूँ।	हम — हैं।
मैं पुत्र हूँ।	हम पुत्र हैं।
मैं लड़का हूँ।	हम लड़के हैं।
मैं बच्ची हूँ।	हम बच्चियाँ हैं।
मैं छात्रा हूँ।	हम छात्राएँ हैं।
मैं माँ हूँ।	हम माँ हैं।
मैं डाक्टर हूँ।	हम डाक्टर हैं।
मैं अध्यापिका हूँ।	हम अध्यापिकाएँ हैं।

2. सुनो और “मैं/हम” के साथ वाक्यों में बोलो :—

लड़का, बालिका, लड़कियाँ, पिता, महिलाएँ, बच्चे, अध्यापक।

3. सुनो और वाक्य पूरे करो :—

- (क) मैं.....हूँ।
(ख) हम.....हैं।
(ग)पुत्री.....
(घ)हैं।
(ङ)बच्चे.....।

4. सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—

ओर : और, जो : जौ, कोर : कौर, चोक : चौक
मोर : मौर, बीना : बौना, लो : लौ, सो : सौ

अध्यापन-संकेत —

पाठ में दी गई सामग्री के माध्यम से बार-बार अभ्यास कराया जाएगा। अध्यापक एक-एक वाक्य को पहले बोलेंगे और छात्रों से बोलने के लिए कहेंगे। बाद में प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के माध्यम से इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा, जैसे —

अभ्यास 1 — अध्यापक स्वयं एक-एक वाक्य को बोलेंगे और छात्रों से बोलने के लिए कहकर अभ्यास कराएंगे।

अभ्यास 2 — अध्यापक एक-एक शब्द को बोलेंगे और उन्हें वाक्य में बोलने के लिए छात्रों से कहेंगे।

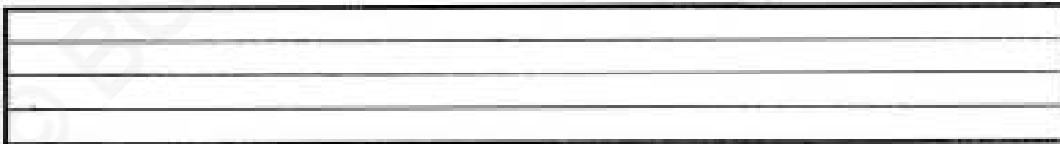
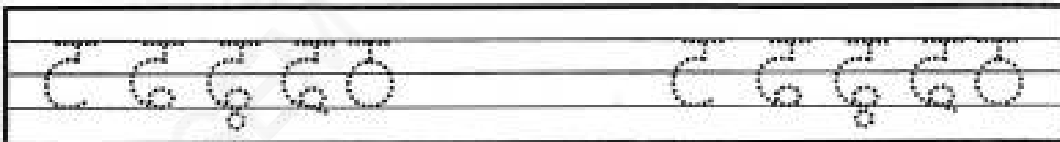
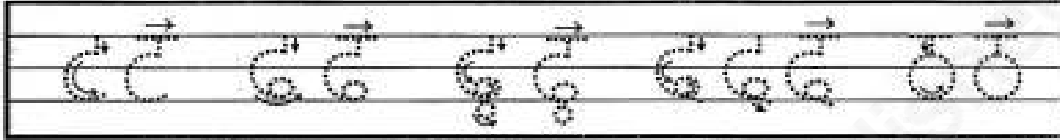
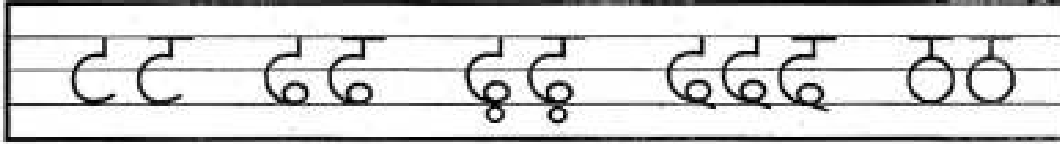
अभ्यास 3 — अध्यापक प्रत्येक अधूरे वाक्य को बोलेंगे और छात्रों से पूरा करने के लिए कहेंगे।

अभ्यास 4 — अध्यापक शब्द-सुर्माँ को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ेंगे और छात्रों से पढ़ने के लिए कहेंगे। छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियों का सुधार तत्काल किया जाएगा और छात्रों से दुबारा कहलवा दिया जाएगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिहनों को लिखना सिखाया जाएगा —

ट ढ ढ़ द ठ

हिन्दी मुल्लमाला-III



काट काठ टगाटर बाढ़

काट काठ टगाटर बाढ़

ढारस ढास गढ़ दाम ठौरा

ढारस ढास गढ़ दाम ठौरा

मैं/हम+क्रिया / मैं/हम+कर्म+क्रिया
(मौखिक)

नए शब्द —

सोना, हँसना, घूमना, लिखना।

मैं जाता हूँ।
मैं सोता हूँ।
मैं हँसता हूँ।
मैं घूमता हूँ।

हम जाते हैं।
हम सोते हैं।
हम हँसते हैं।
हम घूमते हैं।

मैं जाती हूँ।
मैं सोती हूँ।
मैं हँसती हूँ।
मैं घूमती हूँ।

हम जाती हैं।
हम सोती हैं।
हम हँसती हैं।
हम घूमती हैं।

मैं करता हूँ।
मैं करती हूँ।
मैं गाता हूँ।
मैं गाती हूँ।
मैं लिखता हूँ।
मैं लिखती हूँ।

हम करते हैं।
हम करती हैं।
हम गाते हैं।
हम गाती हैं।
हम लिखते हैं।
हम लिखती हैं।

मैं काम करता हूँ।	हम काम करते हैं।
मैं काम करती हूँ।	हम काम करती हैं।
मैं खाना खाता हूँ।	हम खाना खाते हैं।
मैं खाना खाती हूँ।	हम खाना खाती हैं।
मैं पुस्तक पढ़ता हूँ।	हम पुस्तक पढ़ते हैं।
मैं पुस्तक पढ़ती हूँ।	हम पुस्तक पढ़ती हैं।
मैं चिट्ठी लिखता हूँ।	हम चिट्ठी लिखते हैं।
मैं चिट्ठी लिखती हूँ।	हम चिट्ठी लिखती हैं।

प्रश्न-अभ्यास

1. सुनो, बोलो और समझो :—

जाता हूँ	—	जाते हैं	जाती हूँ	—	जाती हैं
रोता हूँ	—	रोते हैं	रोती हूँ	—	रोती हैं
सोता हूँ	—	सोते हैं	सोती हूँ	—	सोती हैं
खाता हूँ	—	खाते हैं	खाती हूँ	—	खाती हैं
पीता हूँ	—	पीते हैं	पीती हूँ	—	पीती हैं
लिखता हूँ	—	लिखते हैं	लिखती हूँ	—	लिखती हैं
पढ़ता हूँ	—	पढ़ते हैं	पढ़ती हूँ	—	पढ़ती हैं

2. सुनो और वाक्य पूरे करो :—

- (क) मैं हूँ।
 (ख) हम हैं।
 (ग) मैं हूँ।
 (घ) हम फल हैं।
 (ङ) गाना हूँ।
 (च) किताब हूँ।

हिन्दी पुष्पमाला-III

3. सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—

बन : बन, बार : बार, बात : बात, बाद : बाद,
जबान : जवान, बारिश : बारिस, बासी : बासी

अध्यापन-संकेत —

पाठ में दी गई सामग्री का अभ्यास इस प्रकार कराया जाएगा, जैसे — पहले अध्यापक पुल्लिंग अकर्मक क्रिया युक्त वाक्य को बोलेंगे और बाद में छात्रों से बुलवा कर अभ्यास कराएंगे। इसी प्रकार स्त्रीलिंग अकर्मक क्रिया युक्त, सकर्मक क्रिया युक्त एवं कर्मयुक्त वाक्यों का अभ्यास कराया जाएगा। उसके बाद प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के माध्यम से इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा, जैसे —

अभ्यास 1 — अध्यापक स्वयं बोलेंगे और छात्रों से बोलने के लिए कहकर अभ्यास कराएंगे।

अभ्यास 2 — अध्यापक प्रत्येक अधूरे वाक्य को बोलेंगे और छात्रों से पूरा करने के लिए कहेंगे।

अभ्यास 3 — अध्यापक शब्द-युग्मों को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ेंगे और छात्रों से भी उसी प्रकार पढ़ने के लिए कहेंगे। छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियों का सुधार तत्काल किया जाएगा और छात्रों से दुबारा कहलवा दिया जाएगा। बार-बार अभ्यास कराया जाएगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा —

ह छ घ थ

ॠ ॠ ॡ ॡ ॢ ॢ ॣ ॣ

ॠ ॠ ॡ ॡ ॢ ॢ ॣ ॣ

ॠ ॡ ॢ ॣ ॠ ॡ ॢ ॣ ॠ ॡ ॢ ॣ

ॠ ॡ ॢ ॣ ॠ ॡ ॢ ॣ ॠ ॡ ॢ ॣ

हिन्दी मुल्लमाला - III

हठ छाप घर धारा हम

हठ छाप घर धारा हम

छाया घाट धन छाछ हक

छाया घाट धन छाछ हक

पाठ - दस

तू, तुम, आप

(मौखिक)

नए शब्द —

तू, तुम, आप, बीमार, मनुष्य, पुरुष, माता, नौकर,
मालिक, बहन, भाई।

तू बीमार है।

तुम बीमार हो।

आप बीमार हैं।

तू डाक्टर है।

तुम डाक्टर हो।

आप डाक्टर हैं।

तू मनुष्य है।

तुम मनुष्य हो।

आप मनुष्य हैं।

तू महिला है।

तुम महिला हो।

आप महिला हैं।

तू छात्र है।

तुम छात्र हो।

आप अध्यापक हैं।

तू लड़का है।

तुम लड़का हो।

आप पुरुष हैं।

तू पुत्री है।

तुम पुत्री हो।

आप माता हैं।

तू पुत्र है।

तुम पुत्र हो।

आप पिता हैं।

तू नौकर है।

तुम मालिक हो।

आप मालिक हैं।

तू तोम्बी है।

तुम नुपीमचा हो।

आप इबेमहल हैं।

तू डाक्टर है।

तुम लोग डाक्टर हो।

आप लोग डाक्टर हैं।

तू छात्र है।

तुम लोग छात्र हो।

आप लोग अध्यापक हैं।

तू पुत्री है।

तुम लोग पुत्रियाँ हो।

आप लोग माताएँ हैं।

तू बहन है।

तुम लोग बहनें हो।

आप लोग बहनें हैं।

हिन्दी पुष्पमाला-III

तू लड़की है।	तुम लोग लड़कियाँ हो।	आप लोग महिलाएँ हैं।
तू नौकर है।	तुम लोग नौकर हो।	आप लोग मालिक हैं।
तू भाई है।	तुम लोग भाई हो।	आप लोग भाई हैं।

प्रश्न-अभ्यास

1. सुनो, बोलो और समझो :—

मैं — हूँ।	हम — हैं।
तू — है।	तुम — हो।
	आप — हैं।
वह — है।	वे — हैं।
यह — है।	ये — हैं।

2. सुनो और वाक्य पूरे करो :—

- (क) तू है।
(ख) नौकर हो।
(ग) हैं।
(घ) तू।
(ङ) आप अध्यापक।
(च) तुम बच्चा।
(छ) तुम महिलाएँ।
(ज) लोग भाई।

3. सुनो, सोचो और शुद्ध करो :—

- (क) तू लड़का हो।
(ख) आप डॉक्टर है।

- (ग) तुम पुत्र है।
 (घ) आप लोग बहन हैं।
 (ङ) तुम लोग बच्चा है।

4. सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—

लट : नट, लब : नब, लौ : नौ, लाला : नाना
 जल : जन, गाल : गान, जाल : जान, माल : मान

अध्यापन-संकेत —

अध्यापक पहले स्वयं बोला कर, फिर छात्रों से बोलने के लिए कहकर पाठ में दी गई सामग्री का अभ्यास कराएगा। बाद में प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के आधार पर इस प्रकार अभ्यास कराए जाएगा, जैसे —

अभ्यास 1 — पहले अध्यापक बोलेगा और फिर छात्रों से बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 2 — अध्यापक अधूरे वाक्य को बोलेगा और छात्रों से वाक्य पूरा करने के लिए कहेगा।

अभ्यास 3 — पहले अध्यापक अशुद्ध वाक्य को बोलेगा और छात्रों से शुद्ध करने के लिए कहेगा।

अभ्यास 4 — पहले अध्यापक शुद्ध उच्चारण के साथ शब्द-सुग्मों को पढ़ेगा और फिर छात्रों से शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ने के लिए कहेगा। छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियों का तत्काल सुधार किया जाएगा और छात्रों से दुबारा बोलने के लिए कहा जाएगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा —

अ आ ओ औ

हिन्दी मुल्लमाला-III

उउउ अअ आआ ओओऔ

उउउ अअ आआ ओओऔ

उउउ अअ आआ ओओऔ

अआओऔ अआओऔ

अआओऔ अआओऔ

अब आन ओर और आग

अब आन ओर और आग

अगर आग ओट औषध

अगर आग ओट औषध

पाठ - ग्यारह

तू/तुम/आप+क्रिया
तू/तुम/आप+कर्म+क्रिया
(मौखिक)

नए शब्द —

जागना, दूध, लकड़ी, काटना।

तू आता है।

तुम आते हो।

आप आते हैं।

तू जाता है।

तुम जाते हो।

आप जाते हैं।

तू रोता है।

तुम रोते हो।

आप रोते हैं।

तू हँसता है।

तुम हँसते हो।

आप हँसते हैं।

तू जागता है।

तुम जागते हो।

आप जागते हैं।

तू सोता है।

तुम सोते हो।

आप सोते हैं।

तू खाता है।

तुम खाते हो।

आप खाते हैं।

तू पीता है।

तुम पीते हो।

आप पीते हैं।

तू देखता है।

तुम देखते हो।

आप देखते हैं।

तू लिखता है।

तुम लिखते हो।

आप लिखते हैं।

तू आती है।

तुम आती हो।

आप आती हैं।

तू जाती है।

तुम जाती हो।

आप जाती हैं।

तू रोती है।

तुम रोती हो।

आप रोती हैं।

तू हँसती है।

तुम हँसती हो।

आप हँसती हैं।

तू जागती है।	तुम जागती हो।	आप जागती हैं।
तू सोती है।	तुम सोती हो।	आप सोती हैं।
तू खाती है।	तुम खाती हो।	आप खाती हैं।
तू पीती है।	तुम पीती हो।	आप पीती हैं।
तू देखती है।	तुम देखती हो।	आप देखती हैं।
तू लिखती है।	तुम लिखती हो।	आप लिखती हैं।

तू काम करता है।	तू काम करती है।
तुम काम करते हो।	तुम काम करती हो।
आप काम करते हैं।	आप काम करती हैं।

तू फल खाता है।	तू फल खाती है।
तुम फल खाते हो।	तुम फल खाती हो।
आप फल खाते हैं।	आप फल खाती हैं।

तू दूध पीता है।	तू दूध पीती है।
तुम दूध पीते हो।	तुम दूध पीती हो।
आप दूध पीते हैं।	आप दूध पीती हैं।

तू चित्र देखता है।	तू चित्र देखती है।
तुम चित्र देखते हो।	तुम चित्र देखती हो।
आप चित्र देखते हैं।	आप चित्र देखती हैं।

तू लकड़ी काटता है।	तू लकड़ी काटती है।
तुम लकड़ी काटते हो।	तुम लकड़ी काटती हो।
आप लकड़ी काटते हैं।	आप लकड़ी काटती हैं।

प्रश्न-अभ्यास

1. सुनो, बोलो और समझो :—

तू जाता है।	तू जाती है।
तू सोता है।	तू सोती है।
तू हँसता है।	तू हँसती है।
तू खाता है।	तू खाती है।
तू पढ़ता है।	तू पढ़ती है।
तू लिखता है।	तू लिखती है।

तुम जाते हो।	तुम जाती हो।
तुम सोते हो।	तुम सोती हो।
तुम हँसते हो।	तुम हँसती हो।
तुम खाते हो।	तुम खाती हो।
तुम पढ़ते हो।	तुम पढ़ती हो।
तुम लिखते हो।	तुम लिखती हो।

आप जाते हैं।	आप जाती हैं।
आप सोते हैं।	आप सोती हैं।
आप हँसते हैं।	आप हँसती हैं।
आप खाते हैं।	आप खाती हैं।
आप पढ़ते हैं।	आप पढ़ती हैं।
आप लिखते हैं।	आप लिखती हैं।

2. सुनो और वाक्य पूरे करो :—

- (क) तू रोता ।
 (ख) तुम ।
 (ग) आप ।
 (घ) तुम दूध ।
 (ङ) फल खाती हैं ।
 (च) लिखता है ।
 (छ) हो ।

3. सुनो, सोचो और शुद्ध करो :—

- (क) तू जाती हो ।
 (ख) तुम पानी पीता हो ।
 (ग) वे खाना खाता है ।
 (घ) मैं सोता है ।
 (ङ) आप मालिक हो ।
 (च) हम काम करता हैं ।
 (छ) वह लड़का हूँ ।

4. सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—

सन : छल, सार : छार, साल : छाल, सेना : छेना साया : छाया, सोम : छोम, पसली : मछली, कास : काह
--

अध्यापन-संकेत —

अध्यापक प्रत्येक वाक्य को पहले स्वयं बोलकर, बाद में छात्रों से बोलने के लिए कहकर पाठ में दी गई सामग्री का अभ्यास कराएगा। उसके बाद प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के आधार पर इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा, जैसे —

हिन्दी पुष्पमाला-III

अभ्यास 1 — प्रत्येक वाक्य को अध्यापक एक-एक करके पहले स्वयं बोलेगा और फिर छात्रों से बोलने के लिए कहेगा।

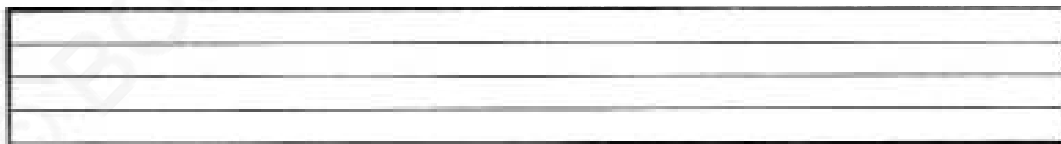
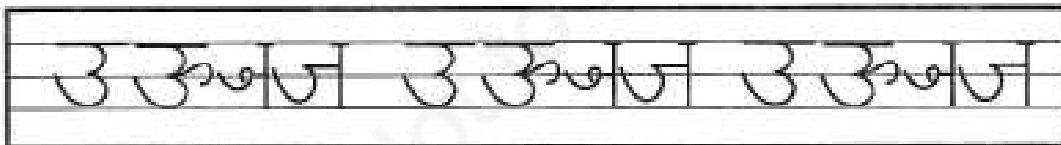
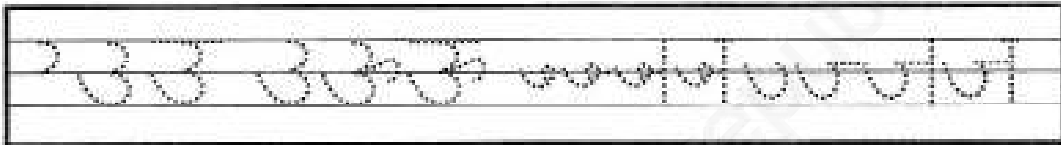
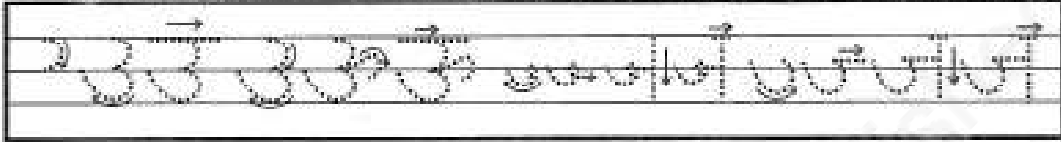
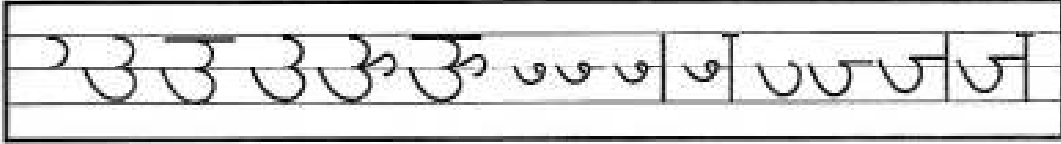
अभ्यास 2 — अध्यापक अधूरे वाक्य एक-एक करके बोलेगा और छात्रों से उन्हें पूरा करने के लिए कहेगा।

अभ्यास 3 — अध्यापक अशुद्ध वाक्य बोलेगा और छात्रों से शुद्ध करके बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 4 — अध्यापक शुद्ध उच्चारण के साथ शब्द-शुद्धों को पढ़ेगा और छात्रों से शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ने के लिए कहेगा। छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियों का सुधार तत्काल किया जाएगा और उनसे दुबारा शुद्ध उच्चारण के साथ बोलने के लिए कहा जाएगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा —

उ ऊ व ज



हिन्दी मुल्लमाला-III

उर ऊन जहाज उस ऊपर

उर ऊन जहाज उस ऊपर

जब जज्जीर उमर ऊधम

जब जज्जीर उमर ऊधम

पाठ - बारह

क्या

(मौखिक)

नए शब्द —

क्या, गुलाब, सिर, सूर्य, चाँद, बालटी, होलक, अण्डा,
कुर्सी, ठेला, मोड़ा, गमला ।

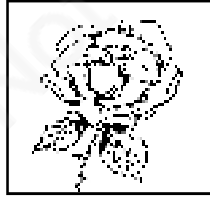
यह आम है।



यह क्या है ?

यह आम है।

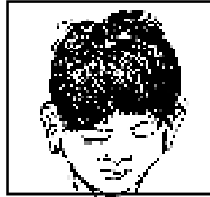
यह गुलाब है।



यह क्या है ?

यह गुलाब है।

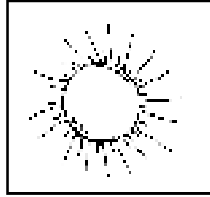
यह सिर है।



यह क्या है ?

यह सिर है।

वह सूर्य है।

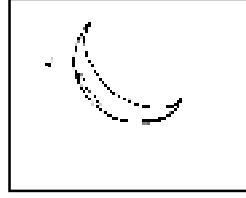


वह क्या है ?

वह सूर्य है।

हिन्दी पुष्पमाला-III

वह चाँद है।



वह क्या है ?

वह चाँद है।

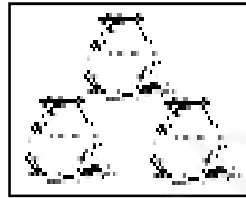
वह बालटी है।



वह क्या है ?

वह बालटी है।

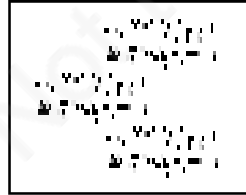
ये घड़े हैं।



ये क्या हैं ?

ये घड़े हैं।

ये पुस्तकें हैं।



ये क्या हैं ?

ये पुस्तकें हैं।

ये गायें हैं।



ये क्या हैं ?

ये गायें हैं।

वे ढोलक हैं।



वे क्या हैं ?

वे ढोलक हैं।

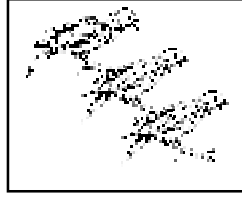
वे जूते हैं।



वे क्या हैं ?

वे जूते हैं।

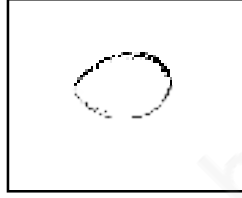
वे तोते हैं।



वे क्या हैं ?

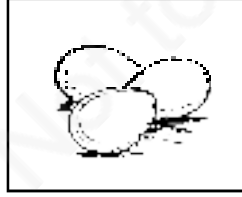
वे तोते हैं।

यह क्या है ?



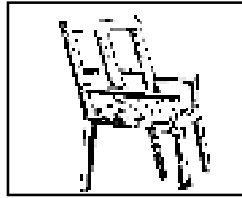
यह अण्डा है।

ये क्या हैं ?



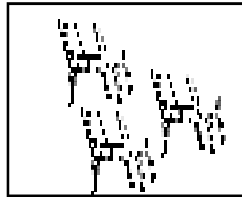
ये अण्डे हैं।

यह क्या है ?



यह कुर्सी है।

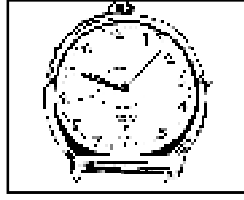
ये क्या हैं ?



ये कुर्सियाँ हैं।

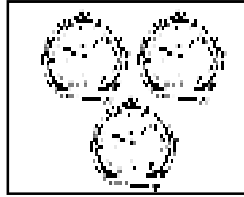
हिन्दी मुल्यमाला-III

वह क्या है ?



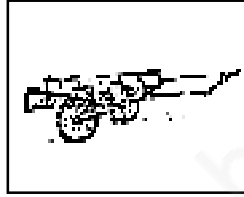
वह घड़ी है ।

वे क्या हैं ?



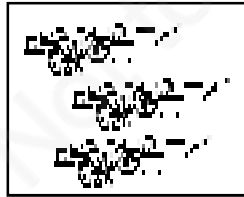
वे बड़ियाँ हैं ।

वह क्या है ?



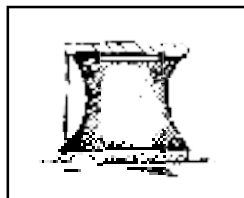
वह ठेला है ।

वे क्या हैं ?



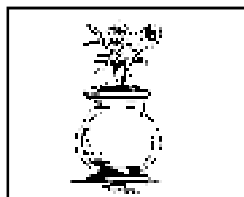
वह ठेले हैं ।

यह क्या है ?



यह षोदा है ।

वह क्या है ?



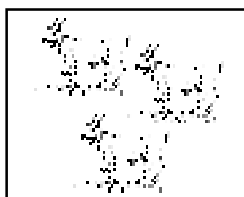
वह गमला है ।

ये क्या हैं ?



ये फूल हैं ।

वे क्या हैं ?

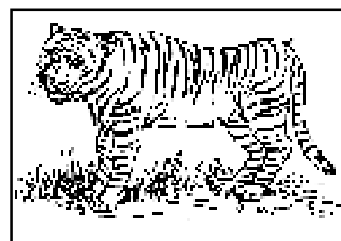
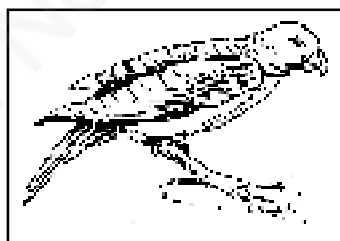


वे बकरे हैं ।

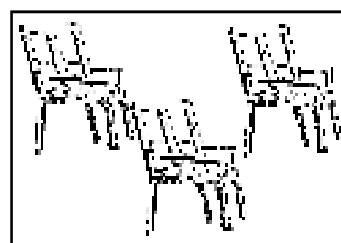
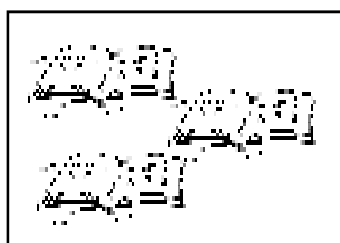
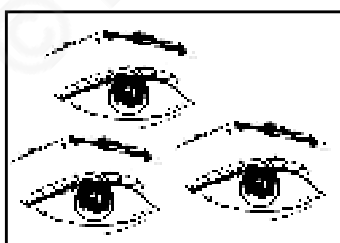
प्रश्न-अभ्यास

1. देखो, सुनो और उत्तर दो :—

(क) यह क्या है ?

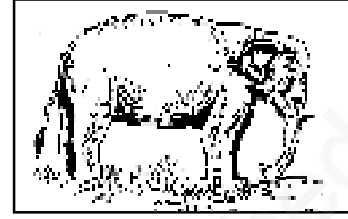
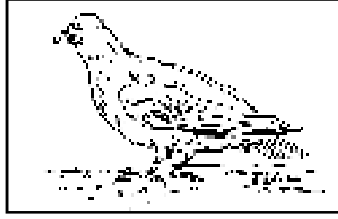
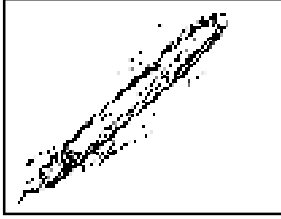


(ख) ये क्या हैं ?

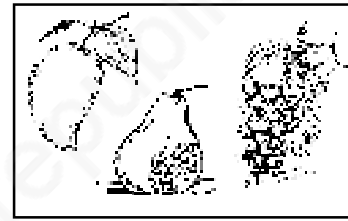
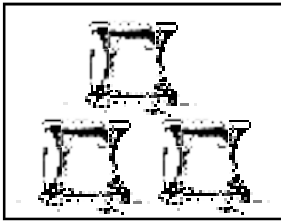


हिन्दी मुल्यमाला-III

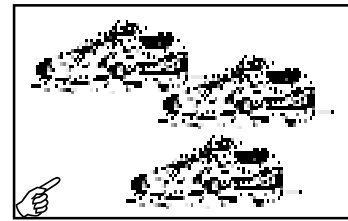
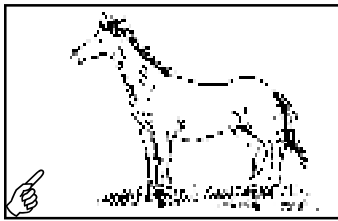
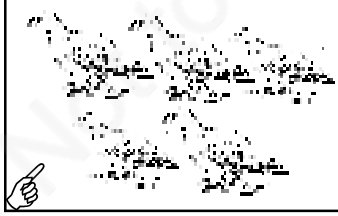
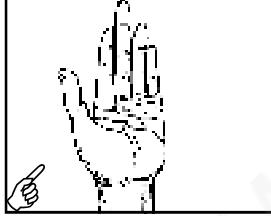
(ग) वह क्या है ?



(घ) वे क्या हैं ?



2. देखो और प्रश्न करो :—



3. प्रश्न-संख्या 2 के चित्रों को देखो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दो।

4. सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—

सम : शम, सर : शर, साम : शाम, साल : शाल

पास : पाश, लास : लाश, नास : नाश, कोस : कोश

अध्यापन-संकेत —

पाठ में दिए गए चित्रों के माध्यम से पाठ-सामग्री का अभ्यास पहले अध्यापक बोलकर, फिर छात्रों से बोलने के लिए कहकर कराएगा। उसके बाद प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के आधार पर इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा, जैसे —

अभ्यास 1 — अध्यापक छात्रों को चित्र दिखाएगा, प्रश्न करेगा और छात्रों से उत्तर देने के लिए कहेगा।

अभ्यास 2 — अध्यापक छात्रों को एक-एक चित्र दिखाएगा और प्रश्न करने के लिए कहेगा।

अभ्यास 3 — अध्यापक छात्रों को प्रश्न-संख्या २ का एक-एक चित्र फिर दिखाएगा और फिर प्रश्न करने के लिए कहेगा और उत्तर चित्रों के माध्यम से देने के लिए कहेगा।

अभ्यास 4 — अध्यापक शुद्ध उच्चारण के साथ शब्द-सुग्मों को पढ़ेगा और छात्रों से शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ने के लिए कहेगा। छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियों का सुधार तत्काल किया जाएगा और छात्रों से दुबारा शुद्ध उच्चारण के साथ बोलने के लिए कहा जाएगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा —

त ल ऋ च

हिन्दी मुल्लमाला-III

त त त ल ल ल अ अ अ अ अ च च च

त त त ल ल ल अ अ अ अ अ च च च

त त त ल ल ल अ अ अ अ अ च च च

त ल अ च त ल अ च त ल अ च

त ल अ च त ल अ च त ल अ च

तान चाल ऋण चाय तलाब

तान चाल ऋण चाय तलाब

लय चल ताकत लालाट ऋण

लय चल ताकत लालाट ऋण

पाठ - तेरह

कौन

(मौखिक)

नए शब्द —

भाभी, नानी, दादी, दादा, चाप, दुकानदार, लेखक, नाना,
गायक, कलाकार

मैं डाक्टर हूँ।

मैं कौन हूँ ?

मैं लड़का हूँ।

मैं कौन हूँ ?

हम बच्चे हैं।

हम कौन हैं ?

हम बालिकाएँ हैं।

हम कौन हैं ?

तू पुत्र है।

तू कौन है ?

तू लड़की है।

तू कौन है ?

तुम भाभी हो।

तुम कौन हो ?

तुम नानी हो।

तुम कौन हो ?

आप पिता हैं।

आप कौन हैं ?

आप दादी हैं।

आप कौन हैं ?

वह दादा है।

वह कौन है ?

वह माँ है।

वह कौन है ?

वे लड़कियाँ हैं।

वे कौन हैं ?

वे वहाँ हैं।

वे कौन हैं ?

मैं कौन हूँ ?	तू बच्चा है।
मैं कौन हूँ ?	तुम छात्र हो।
मैं कौन हूँ ?	आप अध्यापक हैं।
हम कौन हैं ?	तुम लोग लड़के हो।
हम कौन हैं ?	तुम लोग माताएँ हो।
तू कौन है ?	मैं थाइजालिघान हूँ।
तू कौन है ?	मैं नौकर हूँ।
तुम कौन हो ?	मैं बाप हूँ।
तुम कौन हो ?	मैं गाइरेमनडू हूँ।
आप कौन हैं ?	मैं अध्यापिका हूँ।
आप कौन हैं ?	मैं दुकानदार हूँ।
वह कौन है ?	वह लेखक है।
वह कौन है ?	वह नाना है।
वे कौन हैं ?	वे गायक हैं।
वे कौन हैं ?	वे कलाकार हैं।

प्रश्न-अभ्यास

1. ध्यान से सुनो और प्रश्न करो :—

- (क) मैं बच्चा हूँ।
- (ख) हम लड़कियाँ हैं।
- (ग) तू नौकर है।
- (घ) तुम भाई हो।
- (ङ) आप अध्यापक हैं।

हिन्दी पुष्पमाला-III

- (च) वह तोपचौ है।
(छ) वे महिलाएँ हैं।

2. ध्यान से सुनो और उत्तर दो :—

- (क) मैं कौन हूँ ?
(ख) हम कौन हैं ?
(ग) तू कौन है ?
(घ) तुम कौन हो ?
(ङ) आप कौन हैं ?
(च) वह कौन है ?
(छ) वे कौन है ?

3. सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—

तन : टन, ताल : टाल, खत : हट, मात : पाट, नाता : नाटा

अध्यापन-संकेत —

प्रारम्भ में पहले खण्ड में दिए गए वाक्यों के आधार पर “कौन” का प्रयोग करते हुए प्रश्न करने का अभ्यास कराया जाएगा। यह अभ्यास बार-बार कराया जाना चाहिए। उसके बाद दूसरे खण्ड के वाक्यों के आधार पर अभ्यास कराया जाएगा। पहले अध्यापक प्रश्न को बोलेंगा, वही प्रश्न छात्रों से कहलवाएगा। प्रश्नों के उत्तर अध्यापक स्वयं देगा और छात्रों से उन उत्तरों को बोलने के लिए कहेगा। बाद में प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के आधार पर इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा, जैसे —

अभ्यास 1 — अध्यापक एक-एक वाक्य को पढ़ेगा और छात्रों से उस वाक्य से सम्बन्धित प्रश्न “कौन” लगाकर करने के लिए कहेगा।

अभ्यास 2 — अध्यापक छात्रों से प्रश्न करेगा और उत्तर देने के लिए कहेगा।

अभ्यास 3 — पहले अध्यापक शब्द-युग्मों को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ेगा और छात्रों से उसी प्रकार पढ़ने के लिए कहेगा। छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियों का सुधार तत्काल किया जाएगा और छात्रों से दुबारा बोलने के लिए कहा जाएगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिहनों को लिखना सिखाया जाएगा —

ड इ ङ इ ई झ

हिन्दी मुल्लमाला - III

उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ

उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ

उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ

उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ

उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ

उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ

उर ईर शरुन लडुका डक

उर ईर शरुन लडुका डक

रुई इनाम शलक डंड

रुई इनाम शलक डंड

पाठ - चौदह
आज्ञार्थक वाक्य
(मौखिक)

नए शब्द —

यहाँ, वहाँ, बाहर, चित्र, पत्र, कहानी, बोलना, दीड़ना,
भागना, चलना, खोजना

तू आ।	तुम आओ।	आप आइए।
तू जा।	तुम जाओ।	आप जाइए।
तू बैठ।	तुम बैठो।	आप बैठिए।
तू खा।	तुम खाओ।	आप खाइए।
तू पढ़।	तुम पढ़ो।	आप पढ़िए।
तू गा।	तुम गाओ।	आप गाइए।
तू यहाँ आ।	तुम यहाँ आओ।	आप यहाँ आइए।
तू वहाँ जा।	तुम वहाँ जाओ।	आप वहाँ जाइए।
तू बाहर बैठ।	तुम बाहर बैठो।	आप बाहर बैठिए।
तू खाना खा।	तुम खाना खाओ।	आप खाना खाइए।
तू पुस्तक पढ़।	तुम पुस्तक पढ़ो।	आप पुस्तक पढ़िए।
तू गाना गा।	तुम गाना गाओ।	आप गाना गाइए।
तू चित्र देख।	तुम चित्र देखो।	आप चित्र देखिए।
तू पत्र लिख।	तुम पत्र लिखो।	आप पत्र लिखिए।
तू कहानी सुन।	तुम कहानी सुनो।	आप कहानी सुनिए।

प्रश्न-अभ्यास

1. सुनो और बोलो :—

आ	आओ	आइए
जा	जाओ	जाइए
उठ	उठो	उठिए
खा	खाओ	खाइए
पढ़	पढ़ो	पढ़िए
लिख	लिखो	लिखिए

2. इन क्रियाओं के तीनों रूपों को बोलो:—

बैठना, हँसना, रोना, करना, देखना, काटना

3. सुनो, बोलो और समझो :—

तू जाग	तुम जागो	आप जागिए
तू सुन	तुम सुनो	आप सुनिए
तू गा	तुम गाओ	आप गाइए
तू सो	तुम सोओ	आप सोइए
तू घूम	तुम घूमो	आप घूमिए।

4. तू, तुम और आप के साथ इन क्रियाओं के विभिन्न रूपों को बोलो :—

बोलना, दौड़ना, भागना, चलना, खोजना

5. सुनो, सोचो और शुद्ध करो :—

(क) आप फल खाओ।

(ख) तुम जा।

(ग) तू बैठिए।

हिन्दी पुष्पमाला-III

(घ) तुम आइए।

(ङ) आप काम कर।

(च) तू बोलो।

6. सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—

थन : ठन, थैला : ठैला, थकना : ठगना पाथ : पाठ, साथ : साठ, हाथी : हाठी
--

अध्यापन-संकेत —

अध्यापक पाठ में दिए गए वाक्यों को एक-एक करके पढ़ेगा और छात्रों से भी पढ़ने के लिए कहकर बार-बार अभ्यास कराएगा। उसके बाद प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के आधार पर इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा, जैसे —

अभ्यास 1 और 3 — पहले अध्यापक बोलेंगा और छात्रों से बार-बार बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 2 — अध्यापक एक-एक क्रिया को बोलेंगा और छात्रों से प्रत्येक क्रिया के तीनों रूपों को बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 4 — अध्यापक एक-एक क्रिया को बोलेंगा और छात्रों से 'तू', 'तुम' और 'आप' के साथ प्रत्येक क्रिया के तीनों रूपों को बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 5 — अध्यापक एक-एक वाक्य को बोलेंगा और छात्रों से शुद्ध करके बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 6 — अध्यापक शब्द-सुग्मों को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ेगा और छात्रों से भी शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ने के लिए कहेगा। छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियों का सुधार तत्काल किया जाएगा और छात्रों से दुबारा बोलने के लिए कहा जाएगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा —

ज्ञ क्ष त्र

र र र र र र र र र र

र र र र र र र र र र

र र र र र र र र र र

र र र र र र र र र र

र र र र र र र र र र

हिन्दी मुल्लमाला-III

ज्ञान छात्र क्षण क्षाल ज्ञात

ज्ञान छात्र क्षण क्षाल ज्ञात

क्षमा यज्ञ क्षय तय ज्ञापन

क्षमा यज्ञ क्षय तय ज्ञापन

पाठ - पन्द्रह

एक से बीस तक की गिनती

(मौखिक)

नए शब्द —

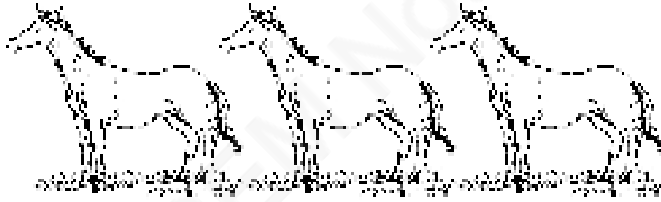
टमाटर, पतंग, पंखा, चरखा, शंख, केले, डल, पेंसिल,
एक से बीस तक शब्दों में



एक बिल्ली १



दो टमाटर २



तीन घोड़े ३



चार आम ४



पाँच पतंगें ५

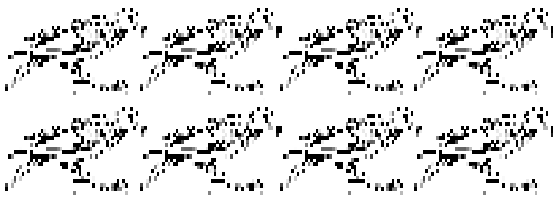
हिन्दी मुल्यमाला-III



छह कुर्सियाँ ६



सात पंखे ७



आठ तोते ८



नौ चरखे ९



दस पुस्तकें १०



ग्यारह कुत्ते ११

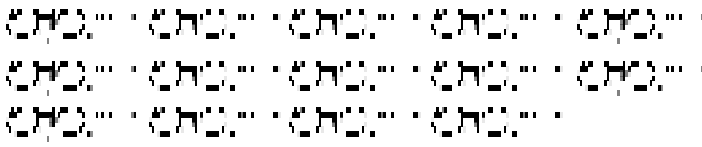


बारह गायें १२

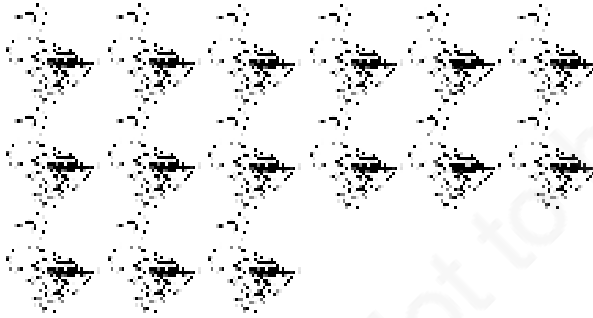
तेरह घड़े १३



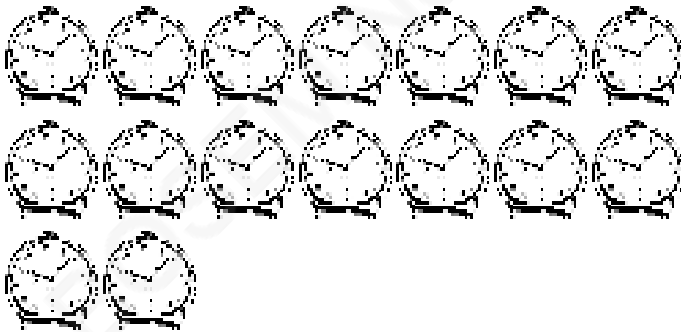
चौदह ऐनके १४



पन्द्रह बतखें १५



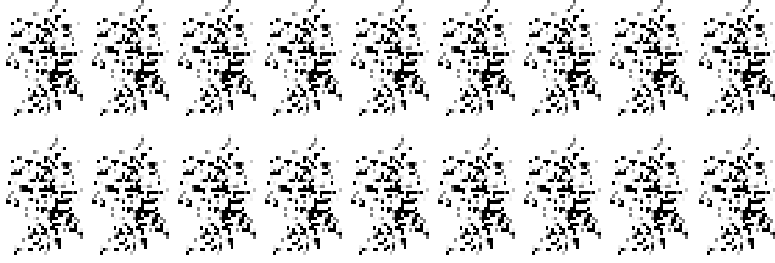
सोलह घड़ियाँ १६



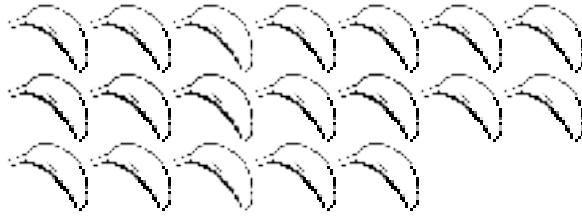
सत्रह शंख १७



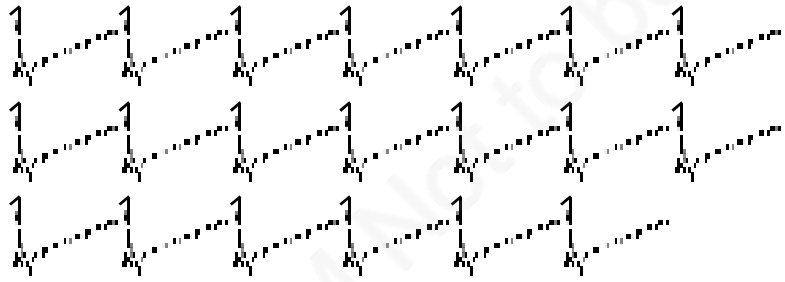
हिन्दी मुष्माला-III



अट्ठारह फूल १८



उन्नीस केले १९



बीस हल २०

प्रश्न-अभ्यास

1. सुनो, बोलो और समझो :—

एक, दो, तीन, चार, पाँच, छह (छः), सात, आठ, नौ, दस, ग्यारह, बारह, तेरह, चौदह, पन्द्रह, सोलह, सत्रह, अट्ठारह, उन्नीस, बीस।

2. बोलो :—

ग्यारह से बीस तक क्रम से।

3. सुनो, और संख्या के साथ बोलो :—

पुस्तक, कलम, पेंसिल, फल, छतरी, बकरी, दरवाजा, चिड़िया, आँख, हाथ, पंखा, चरखा, ढोलक, घर, कबूतर, मोड़ा।

4. सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—

दर : डर, दल : डल, दाल : डाल, दीन : डीन, दूध : डूध

अध्यापन-संकेत —

अध्यापक छात्रों को पाठ में दिए गए चित्रों के माध्यम से एक से बीस तक की गिनती सिखाएगा। पहले अध्यापक स्वयं बोलेंगा और छात्रों से बोलने के लिए कहेगा। बाद में प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के आधार पर इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा, जैसे —

अभ्यास 1 — एक-एक करके अध्यापक स्वयं बोलेंगा और छात्रों से बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 2 — छात्रों से बोलने के लिए कहा जाएगा। न बोल सकने पर अध्यापक बोलने में मदद करेगा।

अभ्यास 3 — एक-एक शब्द को अध्यापक पहले बोलेंगा। बाद में छात्रों से किसी न किसी संख्यावाचक शब्द के साथ बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 4 — अध्यापक शब्द-तुम्हों को शुद्ध उच्चारण के साथ बोलेंगा और छात्रों से भी उसी प्रकार बोलने के लिए कहेगा। छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियों का सुधार तत्काल किया जाएगा और दुबारा शुद्ध उच्चारण के साथ बोलने के लिए कहेगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित अंकों को लिखना सिखाया जाएगा —

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

हिन्दी मुल्लमाला - III

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २०

११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २०

पाठ- सोलह
स्वर वर्ण

अ



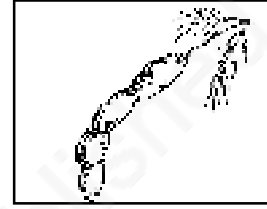
अनार

आ



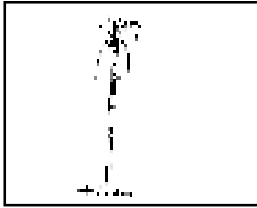
आम

इ



इमली

ई



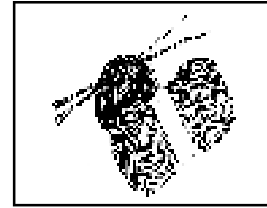
ईख

उ



उपला

ऊ



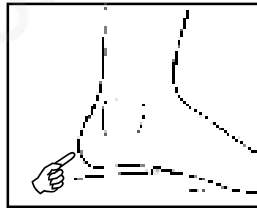
ऊन

ऋ



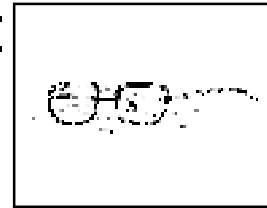
ऋषि

ए



एडी

ऐ



ऐनक

ओ



औखली

औ



औरत

हिन्दी मुष्णमाला-III

अ	आ	इ	ई
उ	ऊ	ऋ	
ए	ऐ	ओ	औ

पहचानो :—

औ	उ	ऋ	ए
ई	आ	ऊ	ओ
अ	इ	ऐ	

अध्यापन-संकेत —

पाठ में दिए गए चित्रों के माध्यम से स्वर-वर्णों को सिखाया जाएगा। पहले अध्यापक एक-एक को बोलेंगे और छात्रों से बोलने के लिए कहेंगे। उसके बाद बिना चित्र के स्वर-वर्णों को क्रम से पढ़ना सिखाया जाएगा। अन्त में अध्यापक बिना क्रम के स्वर-वर्णों को पढ़ने के लिए छात्रों से कहेंगे और देखेंगे कि प्रत्येक छात्र स्वर-वर्णों से परिचित है या नहीं।

इस पाठ के साथ स्वर वर्णों को क्रम से लिखने का अभ्यास कराया जाएगा।

सोलह

(पाठ— १६ के लिए)

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

डलठ-सतुरह
वुडुऑन वरुण

क



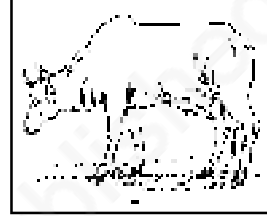
कलुडड

ख



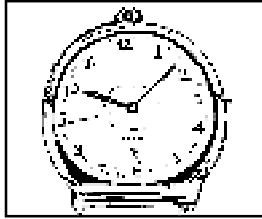
खसुगुश

ग



गलडु

घ

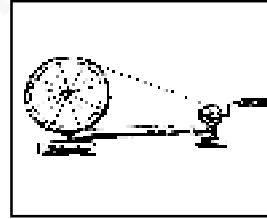


घडुी

ङ

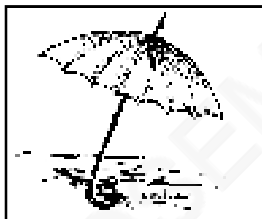


च



चसखल

छ



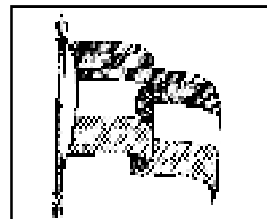
छतुरी

ज



ऑतल

झ



ऑणुडल

ऑ

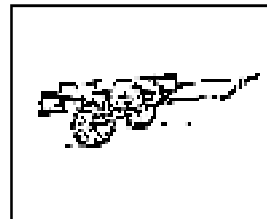


ट



टडलडर

ठ



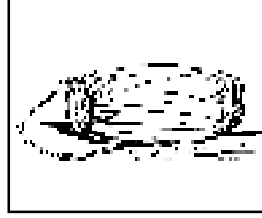
ठेलेल

ड



डिब्बा

ढ



ढोलक

ण



त



तोता

थ



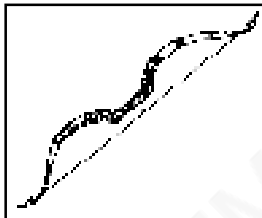
थाली

द



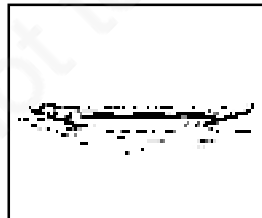
दवात

ध



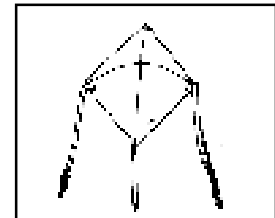
धनुष

न



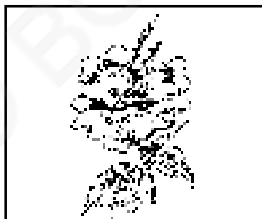
नाव

प



पतंग

फ



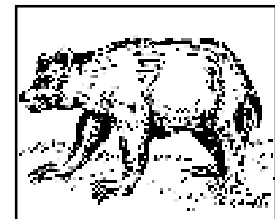
फूल

ब



बन्दर

भ



भालू

हिन्दी मुल्लमलल - III

ड



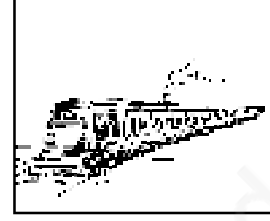
डूर

ड



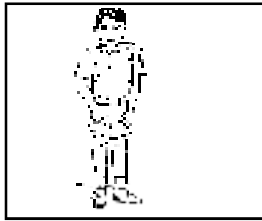
डत

र



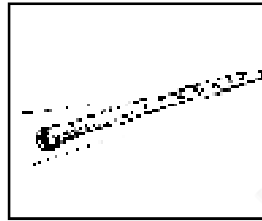
रल

ल



लङुका

व



डंशी

श



शंख

ड



स



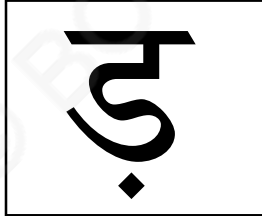
सॉड

ह



हलथी

ड



ड



क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श
ष	स	ह	ड़	ढ़

पहचानो—

स	ङ	य	ह	त
ण	च	ड़	भ	ठ
प	श	ध	ग	छ
ख	ज	र	ब	ढ़
म	ट	क	थ	झ
घ	ञ	ड	न	व
ढ	द	फ	ल	ष

अध्यापन-संकेत —

पाठ में दिए गए चित्रों के माध्यम से व्यंजन-वर्णों को सिखाया जाएगा। पहले अध्यापक स्वयं एक-एक वर्ण और वर्ण से सम्बन्धित शब्द को बोलेंगे और बाद में छात्रों से बोलने के लिए कहेगा। उसके बाद बिना चित्रों के व्यंजन-वर्णों को फिर क्रम से पढ़ना सिखाया जाएगा। अन्त में अध्यापक बिना क्रम के व्यंजन-वर्णों को पढ़ने के लिए कहेगा और देखेगा कि प्रत्येक छात्र व्यंजन-वर्णों से परिचित है या नहीं।

इस पाठ के साथ व्यंजन-वर्णों को क्रम से लिखने का अभ्यास कराया जाएगा।

हिन्दी मुल्लमलल-III

क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ट	ठ
क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ट	ठ

© BOSEM Not to be republished

डू ढू ण त थ दू ध न प फ व भ

डू ढू ण त थ दू ध न प फ व भ

म य र ल व श ष स ह डू ढू

म य र ल व श ष स ह डू ढू

डलठ - अदुडलरह

डलतुरलओुं की डहकलन

(कथन शैली)

नए शडुड -

कलकल, दलदुड, डलडल, कलकल, दलन, डलन, डलनल, तलथल, कलरलग, हलसलड, डलडलडल, कलनी, दीदी, नीतल, डलणी, कडडी, डुल, गुण, तुलल, डुरल, गुरु, डुलुली, डुरती, धल, डुकल, आलु, डुग, नुण, डुरणल, डुथक, कुरडलण, डुणलल, नुडतल, खल, शेर, डेडु, केलल, देडर, डेर, डलल, डुडल, डुसल, कलदी, डुली, कलकेडी, थुली, कुर, दुष, डुनलर, डुकलनल, डुन, डुओक, डुनल, ककुडी, डुकुडी, गुरलडल।

आ = ऀ कू + ऀ = कल, कू + ऀ = कल, तू + ऀ = तल, डू + ऀ = डल
कलकल, डलडल, डलडल, कलकल, नलनल, दलदुड, डललल
कलकल खलनल खलतल है।

इ = ऀ कू + ऀ = कल, कू + ऀ = कल, डू + ऀ = डल, नू + ऀ = नल
डलन, दलन, डलतल, डलनल, तलथल, कलरलग, हलसलड, डलडलडल
डणल कलतलड ललखतल है।

इ = ऀ कू + ऀ = कल, दू + ऀ = दी, नू + ऀ = नी, लू + ऀ = ली
कलनी, दीदी, डलनी, नीतल, डलणी, लडुकी, कडडी
दीदी डलनी डुती है।

- उ = उ क् + उ = कु, ब् + उ = बु, व् + उ = वु, ह् + उ = हु
कुल, पुल, गुण, तुला, बुरा, गुरु, मुस्ली, सुरती
अमु बहुत बुरा आदमी है।
- ऊ = ऊ क् + ऊ = कू, ज् + ऊ = जू, व् + ऊ = वू, फ् + ऊ = फू
दूध, धूल, फूल, जूता, पूजा, आलू, भालू
भालू आलू खाता है।
- ऋ = ऋ क् + ऋ = कृ, व् + ऋ = वृ, म् + ऋ = मृ, ब् + ऋ = बृ
मृग, तृण, घृणा, पृथक, कृपाण, मृणाल, नृपति
मृग तृण खाता है।
- ए = ए क् + ए = के, ख् + ए = खे, ल् + ए = ले, श् + ए = शे
खेल, शेर, पेड़, केला, चेला, बकरे, लड़के, देवर
लड़के केले खाते हैं।
- ऐ = ऐ प् + ऐ = पै, भ् + ऐ = भै, म् + ऐ = मै, न् + ऐ = नै
पैर, बैल, भैया, पैसा, कैदी, मैली, कैकेयी
भैया की धैली में पैसे हैं।
- ओ = ओ क् + ओ = को, व् + ओ = वो, च् + ओ = चो, म् + ओ = मो
चोर, मोर, दोष, छोड़ा, तोता, पोता, ढोलक, सोनार
सोहन रोज ढोलक बजाना है।
- औ = औ क् + औ = कौ, च् + औ = चौ, फ् + औ = फौ, म् + औ = मौ
मौन, फौज, कौवा, बौना, कचौड़ी, पकौड़ी, गौरैया
अचौ कचौड़ी खाता है।

प्रश्न-अभ्यास

1. देखो, लिखो और सीखो :—

।, ि, ि, ु, ू, े, ै, ो, ौ

2. पढ़ो :—

पल, फल, कलम, कमल, शहर, सड़क
बाबा, चाचा, राधा, तारा, बाजार, लाचार
लिपि, निधि, बालिका, महिला, चिड़िया, बिटिया
जीजी, दीदी, नीति, रीति, जमीन, मलीन
तुम, दुम, मुनि, पुरी, कुलकुल, बुलबुल
दूत, भूत, बूढ़ा, पूरा, लहू, काबू
मृग, नृप, कृति, कृषि, गृह, पृथा
तेल, बेर, मेरा, तेरा, सफेद, गणेश
कैद, मैल, कैसा, जैसा, तैराक, पैगाम
तोप, पोल, गोला, लोटा, चकोर, कलोल
कौन, चौक, मौका, सौदा, नौकर, जौहर

3. लिखो, सीखो और पहचानो :—

र + ु = रु — रुख, रुचि, गुरु, अरुण, पुरुष, रुपया
र + ू = रू — रूप, रूई, रूमाल, जरूर, आरूढ़
ह + ृ = हृ — हृत्, हृदय, हृषीकेश
अनुस्वार = ँ — कंगना, अंडा, गंढा, चंचल, हंस
चन्द्रबिन्दू = ः — (चँद), हँसना
विसर्ग = : — (अटः)
ररेफ = ृ — (कर्म, धर्म)

र पहेन = / ~ — (क्रम, भ्रम), राष्ट्र, डूम

4. पढ़ो, पहचानो और समझो :—

- (क) बालिका रोज नाचती है।
- (ख) नानी फूल तोड़ती है।
- (ग) मामा और काका बाजार जाते हैं।
- (घ) मौसी हृषीकेश से गंगाजल लाती है।
- (ङ) अरुण रुमाल में रूप बँधता है।
- (च) साधु थैली में तृण रखता है।

अध्यापन-संकेत —

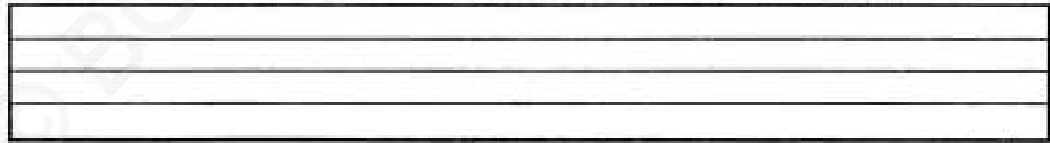
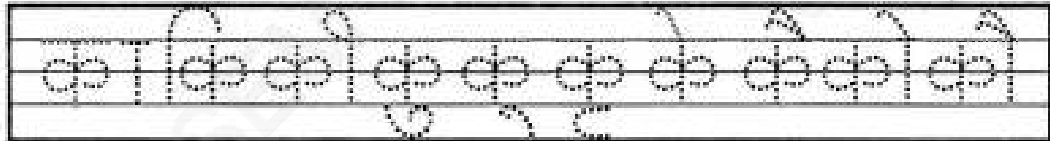
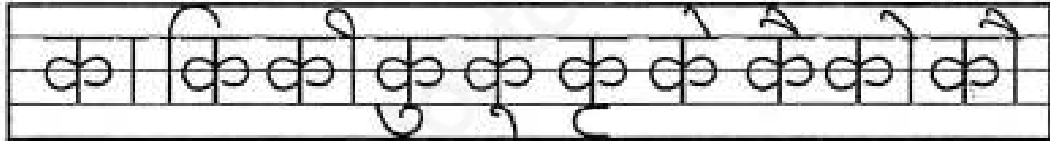
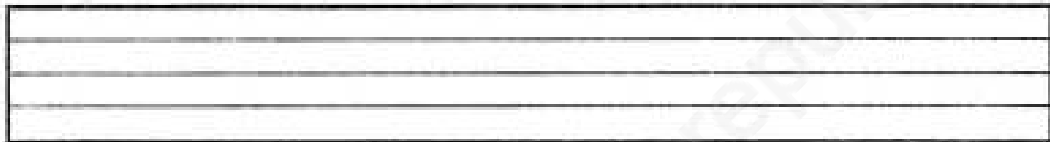
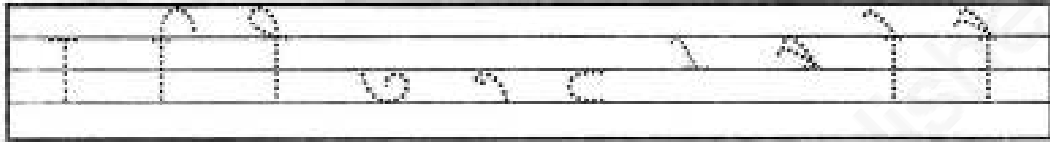
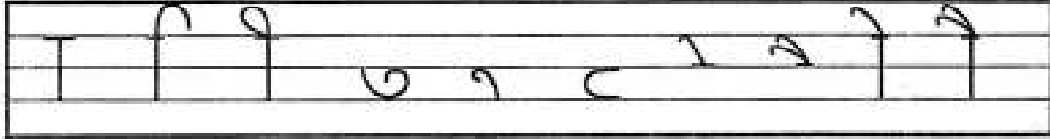
अध्यापक पाठ में दिए गए एक-एक वर्ण, मात्रा, शब्द और वाक्य को पढ़ेगा और छात्रों से पढ़ने के लिए कहेगा। छात्रों से पाठ का बार-बार अभ्यास कराया जाएगा और प्रत्येक मात्रा से परिचित कराया जाएगा। अगले दिन प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के आधार पर इस प्रकार अभ्यास कराए जाएंगे, जैसे —

अभ्यास 1 — पुस्तक के माध्यम से मात्राओं को लिखना सिखाया जाएगा।

अभ्यास 2 और 4 — अध्यापक छात्रों से पढ़ने के लिए कहेगा और इस बात का ध्यान रखेगा कि छात्र प्रत्येक मात्रा से परिचित हैं या नहीं। यदि परिचित नहीं हैं तो अध्यापक छात्रों को बार-बार बताएगा।

अभ्यास 3 — अध्यापक छात्रों को 'र' में 'उ' और 'ऊ' की मात्राएँ तथा 'ह' में 'वृ' की मात्रा लगाते समय परिवर्तित रूप के बारे में बताएगा और लिखना भी सिखाएगा।

हिन्दी मुल्लमाला - III



पाठ - उन्नीस
था/थे/थी/थीं
(कथन शैली)

नए शब्द —

था, थे, थी, थीं, रोटी।

मैं बीमार था।

तू बीमार था।

वह बीमार था।

मैं बीमार थी।

तू बीमार थी।

वह बीमार थी।

मैं आया।

तू आया।

वह आया।

हम बीमार थे।

तुम बीमार थे।

आप बीमार थे।

वे बीमार थे।

हम बीमार थीं।

तुम बीमार थीं।

आप बीमार थीं।

वे बीमार थीं।

हम आए।

तुम आए।

आप आए।

वे आए।

हिन्दी मुल्लामाला-III

मैं आई।

तू आई।

वह आई।

हम आईं।

तुम आईं।

आप आईं।

वे आईं।

मैंने आम खाया।

तूने आम खाया।

उसने आम खाया।

हमने आम खाया।

तुमने आम खाया।

आपने आम खाया।

उन्होंने आम खाया।

मैंने दो आम खाए।

तूने दो आम खाए।

उसने दो आम खाए।

हमने दो आम खाए।

तुमने दो आम खाए।

आपने दो आम खाए।

उन्होंने दो आम खाए।

मैंने रोटी खाई।

तूने रोटी खाई।

उसने रोटी खाई।

हमने रोटी खाई।

तुमने रोटी खाई।

आपने रोटी खाई।

उन्होंने रोटी खाई।

मैंने तीन रोटियाँ खाईं।

तूने तीन रोटियाँ खाईं।

उसने तीन रोटियाँ खाईं।

हमने तीन रोटियाँ खाईं।

तुमने तीन रोटियाँ खाईं।

आपने तीन रोटियाँ खाईं।

उन्होंने तीन रोटियाँ खाईं।

प्रश्न-अभ्यास

1. पढ़ो और समझो :—

मैं — था	हम — थे	मैं — थी	हम — थीं
तू — था	तुम — थे	तू — थी	तुम — थीं
	आप — थे		आप — थीं
वह — था	वे — थे	वह — थी	वे — थीं

2. पढ़ो और समझो :—

मैं आया/हँसा	हम आए/हँसे	मैं आई/हँसी	हम आई/हँसीं
तू आया/हँसा	तुम आए/हँसे	तू आई/हँसी	तुम आई/हँसीं
	आप आए/हँसे		आप आई/हँसीं
वह आया/हँसा	वे आए/हँसे	वह आई/हँसी	वे आई/हँसीं

3. पढ़ो और समझो :—

एक फल खाया	दो फल खाए
एक बिस्कुट खाया	दो बिस्कुट खाए
एक बरफ़ी खाई	तीन बरफ़ियाँ खाईं
एक मछली खाई	चार मछलियाँ खाईं
एक ही मिर्च खाई	दो ही मिर्च खाईं

4. पढ़ो, समझो और याद रखो :—

खाया	खाए	खाई	खाईं
देखा	देखे	देखी	देखीं
लिखा	लिखे	लिखी	लिखीं
पिया	पिए	पी	पीं

हिन्दी पुष्पमाला-III

दिया	दिए	दी	दीं
किया	किए	की	कीं
लिया	लिए	ली	लीं

5. देखो, पढ़ो और समझो :—

मैं + ने = मैंने	हम + ने = हमने
तू + ने = तूने	तुम + ने = तुमने
वह + ने = उसने	आप + ने = आपने
यह + ने = इसने	वे + ने = उन्होंने
कौन + ने = किसने	ये + ने = इन्होंने
जो + ने = जिसने	कौन + ने = किन्होंने
	जो + ने = जिन्होंने

6. पढ़ो, सोचो और शुद्ध करो :—

- (क) तू पागल थे।
- (ख) वे बीमार थी।
- (ग) तुम जल्दी आया।
- (घ) वह तेज भागे।
- (ङ) आप देर तक सोया।
- (च) मेमचा ने खाना खाई।
- (छ) वहने मुझे मारा।
- (ज) तुमने यहीं बैठे।
- (झ) चाओबाने चाय पिया।
- (ञ) आपने यह काम किए।

7. सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—

दल : डल, दर : डर, दाल : डाल, दीन : डीन,
दूध : डूध, दोल : डोल, दूब : डूब

पाठ - बीस

ऊँगा/एगा/ओगे/एँगे

(कथन शैली)

नए शब्द —

शहर, रोज, सुबह, शी, पका, सिफं।

मैं जाऊँगा।

तू जाएगा।

वह जाएगा।

मैं जाऊँगी।

तू जाएगी।

वह जाएगी।

मैं खाना खाऊँगा।

तू खाना खाएगा।

वह खाना खाएगा।

हम जाएँगे।

तुम जाओगे।

आप जाएँगे।

वे जाएँगे।

हम जाएँगी।

तुम जाओगी।

आप जाएँगी।

वे जाएँगी।

हम खाना खाएँगे।

तुम खाना खाओगे।

आप खाना खाएँगे।

वे खाना खाएँगे।

हिन्दी पुष्पमाला-III

मैं खाना खाऊँगी।

तू खाना खाएगी।

वह खाना खाएगी।

हम खाना खाएँगी।

तुम खाना खाओगी।

आप खाना खाएँगी।

वे खाना खाएँगी।

मैं शहर जाऊँगा।

तुम रोज शहर जाओगी।

वे रोज सुबह शहर जाएँगे।

वह रोज सुबह ही शहर जाएगा।

तू एक आम खाएगा।

इबेचा रोज एक पका आम खाएगी।

तुम रोज एक ही पका आम खाओगे।

मैं रोज सिर्फ एक ही पका आम खाऊँगा।

प्रश्न-अभ्यास

1. पढ़ो और समझो :—

मैं — ऊँगा

हम — ऐंगे

मैं — ऊँगी

हम — ऐँगी

तू — एगा

तुम — ओगे

तू — एगी

तुम — ओगी

आप — ऐँगे

आप — ऐँगी

वह — एगा

वे — ऐँगे

वह — एगी

वे — ऐँगी

2. पढ़ो, समझो और याद रखो :—

पुल्लिंग

मैं — जाऊँगा

सोऊँगा

स्त्रीलिंग

मैं — जाऊँगी

सोऊँगी

	लिखूँगा करूँगा		लिखूँगी करूँगी
हम	— जाएँगे सोएँगे लिखेंगे करेंगे	हम	— जाएँगी सोएँगी लिखेंगी करेंगी
तू	— जाएगा सोएगा लिखेगा करेगा	तू	— जाएगी सोएगी लिखेगी करेगी
तुम	— जाओगे सोओगे लिखोगे करोगे	तुम	— जाओगी सोओगी लिखोगी करोगी
आप	— जाएँगे सोएँगे लिखेंगे करेंगे	आप	— जाएँगी सोएँगी लिखेंगी करेंगी
वह	— जाएगा सोएगा लिखेगा करेगा	वह	— जाएगी सोएगी लिखेगी करेगा
वै	— जाएँगे सोएँगे लिखेंगे करेंगे	वै	— जाएँगी सोएँगी लिखेंगी करेंगी

3. पढ़ो, सोचो और शुद्ध करो :—

- (क) वे रोटी खाएगा।
- (ख) हम बाजार जाऊँगा।
- (ग) तू यह काम करोगे।
- (घ) तुम रोज लिखेगा।
- (ङ) मैं यह पुस्तक पढ़ेगा।
- (च) आप जरूर खाओगे।
- (छ) तोम्बा आज शहर जाएँगी।

4. सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—

धार : द्वार, धान : दाल, धागा : ढाका
धोना : ढोना, धोखा : ढेला, बेधव : मेढक

पाठ - इक्कीस
आग्रह वाचक वाक्य
(कथन शैली)

नए शब्द —

छुट्टी, चाहना, निकलना।

मैं आना चाहता हूँ।

मैं जाना चाहता हूँ।

मैं आम खाना चाहता हूँ।

मैं वह पुस्तक पढ़ना चाहता हूँ।

मैं छुट्टी चाहता हूँ।

हम आना चाहते हैं।

हम जाना चाहते हैं।

हम आम खाना चाहते हैं।

हम वह पुस्तक पढ़ना चाहते हैं।

हम छुट्टी चाहते हैं।

मैं आना चाहती हूँ।

मैं जाना चाहती हूँ।

मैं आम खाना चाहती हूँ।

मैं वह पुस्तक पढ़ना चाहती हूँ।

मैं छुट्टी चाहती हूँ।

हम आना चाहती हैं।

हम जाना चाहती हैं।

हम आम खाना चाहती हैं।

हम वह पुस्तक पढ़ना चाहती हैं।

हम छुट्टी चाहती हैं।

मुझे आने दो।

मुझे जाने दो।

हमें चना खाने दो।

मुझे आने दीजिए।

मुझे जाने दीजिए।

हमें चना खाने दीजिए।

हिन्दी पुष्पमाला-III

हमें यहाँ से निकलने दो।
मुझे दो दिन की छुट्टी दो।
मुझे यह काम करने दो।

हमें यहाँ से निकलने दीजिए।
हमें दो दिन की छुट्टी दीजिए।
हमें यह काम करने दीजिए।

प्रश्न-अभ्यास

1. पढ़ो, और याद रखो :—

(क) मैं	—	जाना चाहता हूँ।	हम	—	जाना चाहते हैं।
		सोना चाहता हूँ।			सोना चाहते हैं।
		लेटना चाहता हूँ।			लेटना चाहते हैं।
		लिखना चाहता हूँ।			लिखना चाहते हैं।
		देखना चाहता हूँ।			देखना चाहते हैं।

(ख) मैं	—	सोना चाहती हूँ।	हम	—	सोना चाहती हैं।
		लेटना चाहती हूँ।			लेटना चाहती हैं।
		करना चाहती हूँ।			करना चाहती हैं।
		बनाना चाहती हूँ।			बनाना चाहती हैं।
		खरीदना चाहती हूँ।			खरीदना चाहती हैं।

2. पढ़ो, समझो और याद रखो :—

(क) मुझे/हमें	—	आने दो/आने दीजिए।
		लेने दो/लेने दीजिए।
		भागने दो/भागने दीजिए।
		रोने दो/रोने दीजिए।

करने दो/करने दीजिए।
खाने दो/खाने दीजिए।
देखने दो/देखने दीजिए।
पढ़ने दो/पढ़ने दीजिए।

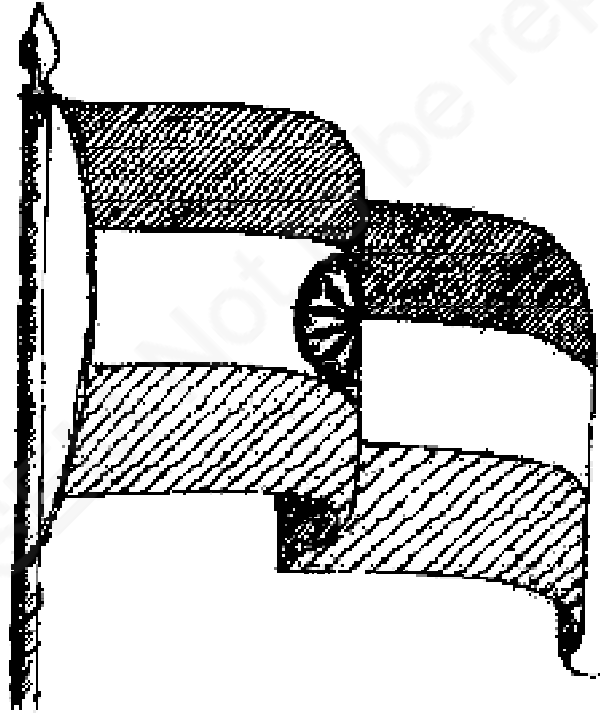
(ख) मुझे/हमें — छुट्टी दो/छुट्टी दीजिए।
कलम दो/कलम दीजिए।
फल दो/फल दीजिए।
काम दो/काम दीजिए।
पैसा दो/पैसा दीजिए।

3. “चाहना” के साथ पाँच वाक्य बनाओ।
4. “दो” या “दीजिए” के साथ पाँच वाक्य बनाओ।
5. सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—
पानी : बाणी, इनाम : ग्रणाम, जन : गण,
पान : बाण, कौन : गौण

पाठ - बाईस
राष्ट्रीय झण्डा
(कथन-शैली)

नए शब्द —

सामने, ध्यान, झण्डा, रंग, ऊपर, केसरिया, बीच, सफेद, नीचे,
हरा, चक्र, नीला, सुन्दर, राष्ट्र, तिरंगा, इज्जत, गौरव, सम्मान,
प्यारा, स्वाधीनता, दिवस, आकाश, फहराना, गर्व, प्यार।



सामने एक चित्र है। इस चित्र को ध्यान से देखो। यह झण्डे का चित्र है। इस झण्डे में तीन रंग हैं। ऊपर का रंग केसरिया है। बीच में सफेद रंग है। नीचे का रंग हरा है। बीच में सफेद रंग के बीचोंबीच एक चक्र है। चक्र का रंग नीला है। यह झण्डा बहुत सुन्दर है।

यह हमारे भारत का राष्ट्रीय झण्डा है। इसमें तीन रंग हैं। इसलिए इसे तिरंगा झण्डा भी कहते हैं। यह झण्डा राष्ट्र की इज्जत है। यह राष्ट्र का गौरव है। हम इसका सम्मान करते हैं। यह हमारा प्यारा झण्डा है।

पन्द्रह अगस्त भारत का स्वाधीनता-दिवस है। इस दिन भारत के आकाश में राष्ट्रीय झण्डा फहराया जाता है। सभी भारतवासी इस झण्डे पर गर्व करते हैं।

हम सब भारतवासी तिरंगे झण्डे को प्यार करते हैं।

प्रश्न-अभ्यास

1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझो :-

ध्यान - चित्त की एकाग्रता, गौर।

गौरव - बड़प्पन, आदर, सम्मान।

स्वाधीनता- स्वतन्त्रता, आजादी।

फहराना - इस तरह फैलाना कि फर-फर करते हुए लहराए, इधर-उधर हिलना।

गर्व - घमंड, अहंभाव, अभिमान।

2. उत्तर दो :—

(क) झण्डे में कौन-कौन से रंग हैं ?

(ख) ऊपर का रंग कौन-सा है ?

(ग) बीच का रंग कौन-सा है ?

(घ) नीचे का रंग कौन सा है ?

(ङ) सफेद रंग के बीच क्या है ?

(च) चक्र का रंग कौन-सा है ?

(छ) हमारे भारत के राष्ट्रीय झण्डे को तिरंगा क्यों कहते हैं ?

(ज) भारत का स्वाधीनता दिवस कब होता है ?

(झ) भारतवासी किस पर गर्व करते हैं ?

हिन्दी पुष्पमाला-III

पाठ से आगे

(क) भारत का राष्ट्रगीत किसने लिखा ?

(ख) भारत का राष्ट्रफूल क्या है ?

3. चार्ट को ध्यान से देखो और वाक्य बनाओ :—

यह	हमारा भारत का तिरंगा हमारे देश का	झण्डा है।
----	--	-----------

4. देखो, पहचानो और पढ़ो :—

क + त = क्त

क + य = क्य

क + व = क्व

क + ष = क्श

ख + त = ख्त, तख्त

ख + य = ख्य, ख्याल

ख + व = ख्व, ख्वाब

ग + ग = ग्ग, सुग्गा

ग + ल = ग्ल, ग्लानि

ग + व = ग्व, ग्वाल

ग + ध = ग्ध, बग्घी

घ + न = घ्न, बिघ्न

च् + च = च्च, बच्चा

च् + छ = च्छ,	अच्छा
ज् + ज = ज्ज,	इज्जत
ज्ञ् + ज्ञ = ज्ञ्,	ज्ञान
ज् + व = ज्व,	ज्वर
ण् + ड = ण्ड,	अण्डा
त् + त = त्त (त्त),	कुत्ता
त् + थ = त्थ,	पत्थर
त् + न = त्न,	रत्न
त् + प = त्प,	तत्पर
ध् + य = ध्य,	ध्यान
न् + त = न्त,	अन्त
न् + द = न्द,	सुन्दर
न् + न = न्न,	गन्ना
न् + थ = न्थ,	मन्थरा
न् + य = न्य,	न्याय
न् + ध = न्ध,	अन्धा
प् + प = प्प,	छप्पर
प् + य = प्य,	प्याला
ब् + ज = ब्ज,	सब्जी
ब् + द = ब्द,	शब्द
ब् + य = ब्य,	ब्याज
भ् + य = भ्य,	अभ्यास
म् + प = म्प,	पम्प
म् + फ = म्फ,	इम्फाल

हिन्दी मुष्णमाला-III

म् + ब = म्ब,	लम्बा
म् + म = म्म,	अम्मा
म् + य = म्य,	म्बान
ल् + द = ल्द,	जल्दी
ल् + ल = ल्ल,	उल्लू
ल् + ह = ल्ह,	कुल्हाड़ी
व् + य = व्य,	व्यापार
श् + न = श्न,	प्रश्न
श् + य = श्य,	श्याम
श् + व = श्व,	ईश्वर
ष् + ट = ष्ट,	कष्ट
ष् + प = ष्प,	पुष्प
ष् + म = ष्म,	भीष्म
स् + ट = स्त,	स्टेशन
स् + त = स्त,	पुस्तक
स् + थ = स्थ,	स्थान
स् + व = स्व,	स्वर
स् + य = स्य,	तपस्या
स् + प = स्प,	अस्पताल
स् + स = स्स,	रस्सी

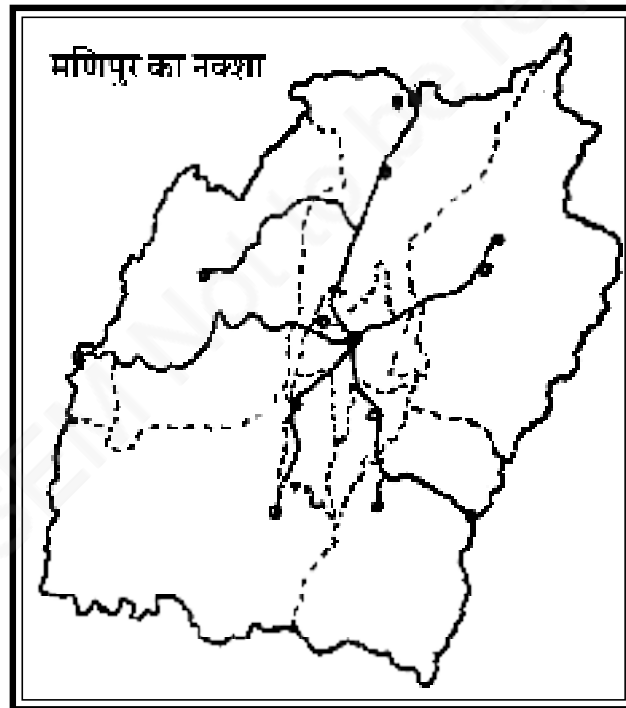
5. सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—

खरा : खड़ा, बकरी : लकड़ी, खबर, पकड़,
सारी : साड़ी, पसारना : पछाड़ना।

पाठ – तेईस
मणिपुर
(कथन-शैली)

नए शब्द —

नक्शा, राज्य, पूर्व, सीमा, स्थित, उत्तर, दक्षिण, पश्चिम, राजधानी, मुख्य, बाजार, आदि, अन्य, जिला, कई, नदी, और, पर्वत, श्रेणी, नाम, सदा, हरा-भरा, रहना, बड़ा, झील, विभिन्न, प्रकार, स्थायी, निवासी, व्यवसाय, असल में, संगम-स्थल ।



ऊपर बना यह नक्शा देखो। यह मणिपुर का नक्शा है। मणिपुर हमारा राज्य है। वह भारत की पूर्वी सीमा पर स्थित है। इसके उत्तर में नागालैण्ड राज्य है। पूर्व में मैन्मार (बर्मा) है। दक्षिण में मिजोरम राज्य है। पश्चिम में असम राज्य है।

हिन्दी पुष्पमाला-III

मणिपुर की राजधानी इम्फाल है। यहाँ एक मुख्य बाजार है। इस बाजार का नाम ख्वाहरम्बन्द है। लमलोड, शिङ्जमै, थौबाल, ककचिङ्, लमाङ्दोङ्, मोङ्ग्राङ्, लमका, उखूल आदि मणिपुर के अन्य बाजार हैं।

मणिपुर में नौ जिले हैं। वे हैं – पूर्वी इम्फाल जिला, पश्चिमी इम्फाल जिला, बिशेनपुर जिला, थौबाल जिला, उखूल जिला, चान्देल जिला, चुङ्गाचौदपुर जिला, तमेङ्गलोङ् जिला और सेनापति जिला।

मणिपुर में कई नदियाँ हैं। इम्फाल, नम्बुल और बराक प्रमुख नदियाँ हैं। थौबाल नदी, इरिल नदी, कोङ्बा नदी, लैमताक नदी, इरङ् नदी, खुगा नदी मणिपुर की अन्य नदियाँ हैं।

मणिपुर के चारों ओर कई पर्वत-श्रेणियाँ हैं। नोङ्माङ्जिङ्, लोङ्जिङ्, थाङ्जिङ्, लाइमतोन, लाङ्गोन, कौब्रू मणिपुर के कुछ पर्वतों के नाम हैं। ये पर्वत सदा हरे-भरे रहते हैं।

मणिपुर में एक बड़ी झील है। इस झील का नाम लोकताक है। वाङ्धौ, लौशी, यारल, ईकोप, पोङ्गौ आदि मणिपुर की अन्य झीलें हैं। इन झीलों में विभिन्न प्रकार की मछलियाँ रहती हैं।

मैतै, मार, पाङ्ते, थादौ, कबुङ्, माओ, अनाल, ताङ्खुल, मरिङ्, कोङ्ग्रेङ्, कोम, थाङ्गाल, पाङ्गल आदि मणिपुर के स्थानीय निवासी हैं। बंगाली, मारवाड़ी, पंजाबी, आदि भी अपने व्यवसाय के लिए मणिपुर में रह रहे हैं। असल में मणिपुर विभिन्न जातियों का संगम-स्थल है।

प्रश्न-अभ्यास

1. नीचे लिखे शब्दों का अर्थ समझो :-

- स्थित - एक स्थान पर तिका हुआ, उपस्थित, मौजूद ।
 राजधानी - किसी देश अथवा राज्य का प्रधान नगर जहाँ से उसका शासन होता है ।
 मुख्य - प्रधान, सबसे बड़ा ।
 अन्य - दूसरा, भिन्न, कोई ।
 विभिन्न - जिलकुल अलग, पृथक
 स्थायी - बराबर रहने वाला, परमानेंट ।
 व्यवसाय - धंधा, पेशा, ऑकुपेशन ।

2. उत्तर दो :—

- (क) मणिपुर कहाँ स्थित है ?
 (ख) मणिपुर के उत्तर में कौन सा राज्य है ?
 (ग) मणिपुर के पूर्व में कौन-सा देश है ?
 (घ) मणिपुर की राजधानी का नाम क्या है ?
 (ङ) इम्फाल के मुख्य बाजार का नाम क्या है ?
 (च) मणिपुर के नौ जिलों का नाम बताओ ।
 (छ) मणिपुर की सबसे बड़ी झील का नाम क्या है ?
 (ज) मणिपुर विभिन्न जातियों का संगम-स्थल क्यों है ?
 पाठ से आगे
 (क) मैन्मार की राजधानी का नाम क्या है ?
 (ख) असम की राजधानी का नाम क्या है ?

3. चरुतु कु धुलन से देखुओ और वलकुष बनलओ :—

मणलपुर में	कुई बलजर नू जलले कुई नदलरुलं कुई परुवल-शुरेणलरुलं कुई डूलूले अनेक जलतरुलं	हूँ।
------------	--	------

4. देखुओ, परुहचलनू और परुदू :—

कु + क = कुक,	परुककल
कु + ख = कुख,	मकुखी
कु + ट = कुट,	डूकुटर
कु + त = कुत,	रकुत
कु + य = कुय,	कुयल
कु + श = कुशल,	नकुशल
कु + ष = कुष (कष),	परुकषी
फु + त = फुत,	दफुतर
टु + ट = टुट (डु),	कुडुटी
टु + ठ = टुठ (डु),	कुडुठी
डु + ड = डुड (डु),	अडुडल
डु + ढ = डुढ (डु),	बुडुढल
दु + द = दुद (दु),	चदुदर
दु + ध = दुध (दु),	बुदुध

द + स = दस (द्य),	उद्योग
द + ख = दख (द्व),	द्वार
द + म = दम (द्य),	पद्म
कृ + र = क्र,	चक्र
तृ + र = त्र,	पत्र
जृ + र = ज्र,	वज्र
पृ + र = प्र,	प्रजा
दृ + र = द्र,	चन्द्र
दृ + र = द्र,	राष्ट्र
शृ + र = श्र,	श्री
हृ + र = ह्र,	ह्रस्व
हृ + न = ह्रन (ह्र),	चिह्न
हृ + म = ह्रम (ह्र),	ब्राह्मण
हृ + ल = ह्रल (ह्र),	प्रह्लाद
हृ + व = ह्रव (ह्र),	ह्र्वेल
रृ + क = र्रक,	तर्क
रृ + ग = र्रग,	वर्ग

5. सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—

बड़ा : बढ़ा, पढ़ना : पढ़ना, बढ़ाई : बढ़ाई,
बाड़ : बाढ़, तोड़ : तोड़

पाठ - चौबीस
एक से सौ तक
(गिनतियाँ)

नए शब्द —

आदमी, लोग, जानवर, कवि, मित्र, नेता, मुखिया, राजा, साधु, मूर्ति,
कापी, गली, अलमारी, सूई, घाटी, गुड़िया, परी, पूरी, कथा,
पाठशाला, परीक्षा, लता, भाषा, बहू, भूजा, प्रथा, गुफा, वधू, सेना,
धारा, गाथा, कवि, वस्तु, इक्कीस से सौ तक के शब्द ।

१	एक	एक हाथ
२	दो	दो आदमी
३	तीन	तीन रथ
४	चार	चार घर
५	पाँच	पाँच फूल
६	छह	छह लोग
७	सात	सात आम
८	आठ	आठ जानवर
९	नौ	नौ कवि
१०	दस	दस मित्र
११	ग्यारह	ग्यारह फल
१२	बारह	बारह दिन
१३	तेरह	तेरह हाथी

१४	चौदह	चौदह नेता
१५	पन्द्रह	पन्द्रह मुखिया
१६	सोलह	सोलह राजा
१७	सत्रह	सत्रह मोर
१८	अट्ठारह	अट्ठारह छात्र
१९	उन्नीस	उन्नीस मुनि
२०	बीस	बीस दुकानदार
२१	इक्कीस	इक्कीस साधु
२२	बाईस	बाईस भालू
२३	तेईस	तेईस कबूतर
२४	चौबीस	चौबीस हंस
२५	पच्चीस	पच्चीस सूअर
२६	छब्बीस	छब्बीस बाध
२७	सत्ताईस	सत्ताईस खरगोश
२८	अट्ठाईस	अट्ठाईस लड़के
२९	उनतीस	उनतीस घोड़े
३०	तीस	तीस तोते
३१	एकत्तीस	इकत्तीस कुत्ते
३२	बत्तीस	बत्तीस चरखे
३३	तैंतीस	तैंतीस घड़े
३४	चौंतीस	चौंतीस कपड़े
३५	पैंतीस	पैंतीस बच्चे
३६	छत्तीस	छत्तीस पैसे
३७	सैंतीस	सैंतीस दरवाजे

हिन्दी मुद्रामाला-III

३८	अड़तीस	अड़तीस अण्डे
३९	उनतालीस	उनतालीस पंखे
४०	चालीस	चालीस कमरे
४१	इकतालीस	इकतालीस पुस्तकें
४२	बयालीस	बयालीस ऐनकें
४३	तेतालीस	तेतालीस किताबें
४४	चवालीस	चवालीस औरतें
४५	पैंतालीस	पैंतालीस गायें
४६	छियालीस	छियालीस पेंसिलें
४७	सैंतालीस	सैंतालीस आँखें
४८	अड़तालीस	अड़तालीस बतरखें
४९	उनचास	उनचास बहनें
५०	पचास	पचास कलमें
५१	इक्यावन	इक्यावन बकरियाँ
५२	बावन	बावन मछलियाँ
५३	तिरपन	तिरपन बिल्लियाँ
५४	चीवन	चीवन खिड़कियाँ
५५	पचपन	पचपन मुर्गियाँ
५६	छप्पन	छप्पन घड़ियाँ
५७	सत्तावन	सत्तावन लड़कियाँ
५८	अट्ठावन	अट्ठावन कुर्सियाँ
५९	उनसठ	उनसठ चिट्ठियाँ
६०	साठ	साठ धालियाँ
६१	इकसठ	इकसठ चिड़ियाँ

६२	बासठ	बासठ गाड़ियाँ
६३	तिरसठ	तिरसठ घण्टियाँ
६४	चौंसठ	चौंसठ जातियाँ
६५	पैंसठ	पैंसठ नीतियाँ
६६	छियासठ	छियासठ मूर्तियाँ
६७	सड़सठ	सड़सठ पुत्रियाँ
६८	अड़सठ	अड़सठ नदियाँ
६८	उनहत्तर	उनहत्तर कापियाँ
७०	सत्तर	सत्तर गलियाँ
७१	इकहत्तर	इकहत्तर गोलियाँ
७२	बहत्तर	बहत्तर अलमारियाँ
७३	तिहत्तर	तिहत्तर सुइयाँ
७४	चौहत्तर	चौहत्तर रोटियाँ
७५	पचहत्तर	पचहत्तर घाटियाँ
७६	छिहत्तर	छिहत्तर गुड़ियाँ
७७	सतहत्तर	सतहत्तर परियाँ
७८	अठहत्तर	अठहत्तर बेटियाँ
७९	उन्नासी	उन्नासी पूरियाँ
८०	अस्सी	अस्सी बालिकाएँ
८१	इक्व्यासी	इक्व्यासी महिलाएँ
८२	बयासी	बयासी छात्राएँ
८३	तिरासी	तिरासी माताएँ
८४	चौरासी	चौरासी शाखाएँ
८५	पचासी	पचासी कथाएँ
८६	छियासी	छियासी पाठशालाएँ

हिन्दी पुष्पमाला-III

८७	सतासी	सतासी मालाएँ
८८	अठासी	अठासी लताएँ
८९	नवासी	नवासीपरीक्षाएँ
९०	नब्बे	नब्बे भाषाएँ
९१	इक्यानवे	इक्यानवे बहुएँ
९२	बानवे	बानवे भुजाएँ
९३	तिरानवे	तिरानवे प्रथाएँ
९४	चीरानवे	चीरानवे गुफाएँ
९५	पचानवे	पचानवे वधुएँ
९६	छियानवे	छियानवे सेनाएँ
९७	सत्तानवे	सत्तानवे धाराएँ
९८	अट्ठानवे	अट्ठानवे गाथाएँ
९९	निन्द्यानवे	निन्द्यानवे कविताएँ
१००	एक सौ	एक सौ वस्तुएँ

प्रश्न-अभ्यास

1. इकत्तीस से सत्तर तक अंकों में लिखो
2. ४६ से ८५ तक शब्दों में लिखो ।
3. नीचे लिखे अंकों को शब्दों में लिखो :—
१६, १९, २४, २९, ३३, ३९, ४४, ८६, ८९, ९२, ९९ ।
4. नीचे लिखे संख्यावाचक शब्दों को पढ़ो और उनको अंकों में लिखो :—
अट्ठारह, छब्बीस, उनतीस, चवालीस, छियालीस, सतासी, इक्यानवे,
छियानवे ।

5 वाक्यों में प्रयोग करो :—

तेईस, पच्चीस, चौतीस, सैंतालीस, तिरपन, छियासठ, बयासी।

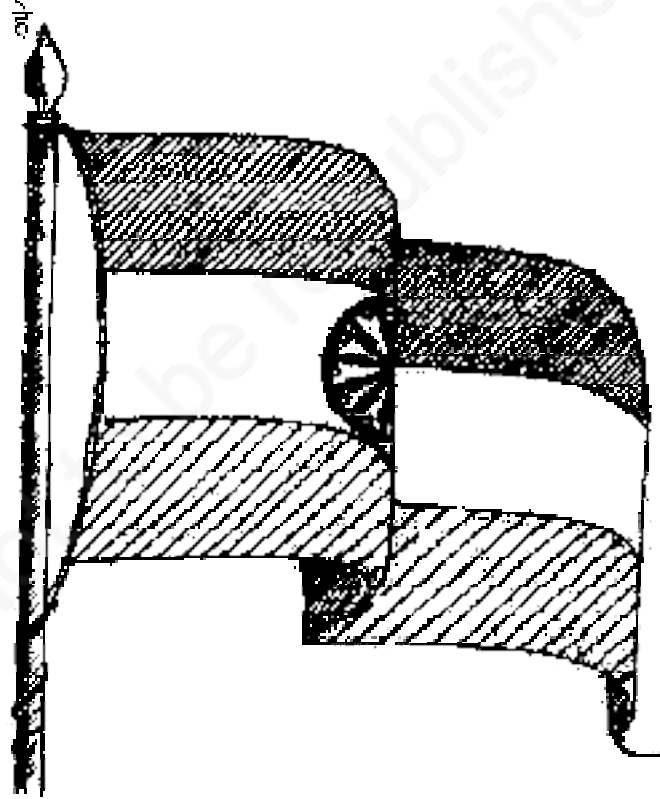
6 ध्यान से देखो, पढ़ो और समझो :—

१०१	एक सौ एक
१०२	एक सौ दो
१०३	एक सौ तीन
१०४	एक सौ चार
१०५	एक सौ पाँच
२००	दो सौ
२२५	दो सौ पच्चीस
२५५	दो सौ पचहत्तर
३००	तीन सौ
३५०	तीन सौ पचास
४००	चार सौ
५००	पाँच सौ
१०००	एक हजार
१४००	एक हजार चार सौ
१८५५	एक हजार आठ सौ पचहत्तर
१९९०	एक हजार नौ सौ नब्बे
२०००	दो हजार
५०००	पाँच हजार
५००००	पचास हजार
१०००००	एक लाख

राष्ट्रगान

जन-गण-मन-अधिनायक जय हे
भारत-भाम्य-विधाता।
पंजाब-सिन्धु-गुजरात-मराठा,
द्राविड़-उत्कल-बंग,
विंध्य-हिमाचल, यमुना-गंगा
उच्छल जलधि-तरंग,
तव शुभनामे जागे,
तव शुभ आशिष माँगे,
गाहे तव जय गाया।

जन-गण मंगलदायक जय हे,
भारत-भाम्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे।



© BOSEM Not to be republished

a

© BOSEM Not to be republished